हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 02 • अंक 75 • पृष्ठ 8 • सोमवार 4 अप्रैल 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

UDISE Code- 20110108005, JEPC Code- RTE/20/2021-22
Affiliated By Jharkhand Education Project Council
RGS gurukulam
(An Unit of Shatan Ashram)
Bright Future for your Kids
For More Detail : www.rgsgurukulam.com, Email- gurukulamrgs@gmail.com
Dhadhkia, Dumka, Mob.- 8409399342 (Principal), 7903712653 (Vice Principal)

Opening Shortly IX to X
Class Nursery to VIII
Medium Hindi & English
Admission Open
For More Detail : www.rgsgurukulam.com
School Van Facility Available
Drawing Class | Midday Meal | Computer Class | Yoga Class | Science Lab | Smart Class

संक्षिप्त समाचार

नासिक के पास बड़ा ट्रेन हादसा, पवन एक्सप्रेस के 10 कोच पटरी से उतरे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में एक बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। यह दुर्घटना नासिक के पास हुई है। जानकारी के अनुसार नासिक के नजदीक रविवार दोपहर लोकमान्य तिलक- जयनगर एक्सप्रेस (पवन एक्सप्रेस) ट्रेन के 10 डिब्बे पटरी से उतर गए। रेलवे ने यह जानकारी दी। रेलवे ने बताया हादसें में किसी की मौत या फिर किसी भी व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है। ट्रेन बिहार जा रही थी।

पवन एक्सप्रेस के कोच के पटरी से उतरने की घटना लाहविट और देवलाली स्टेशनों के बीच हुई। रेलवे ने बताया कि दुर्घटना राहत ट्रेन और चिकित्सा वैन मौके पर भेजी गई है। बताया जा रहा है कि हादसे में दो यात्रियों को मामूली चोट आई है जिन्हें प्राथमिक उपचार दे दिया गया है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत नहीं है। बताया जा रहा है जिस जगह पर यह घटना हुई उस जगह पर ट्रैक के पास एक शव बारमद हुआ है लेकिन रेलवे के मुताबिक यह शव ट्रेन में यात्रा कर रहे किसी यात्री का नहीं था। ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद कई ट्रेनों के रूट में परिवर्तन किया गया है।

पाकिस्तान में सियासी संकट

कार्यवाहक पीएम होंगे इमरान खान

इस्लामाबाद/एजेंसी।

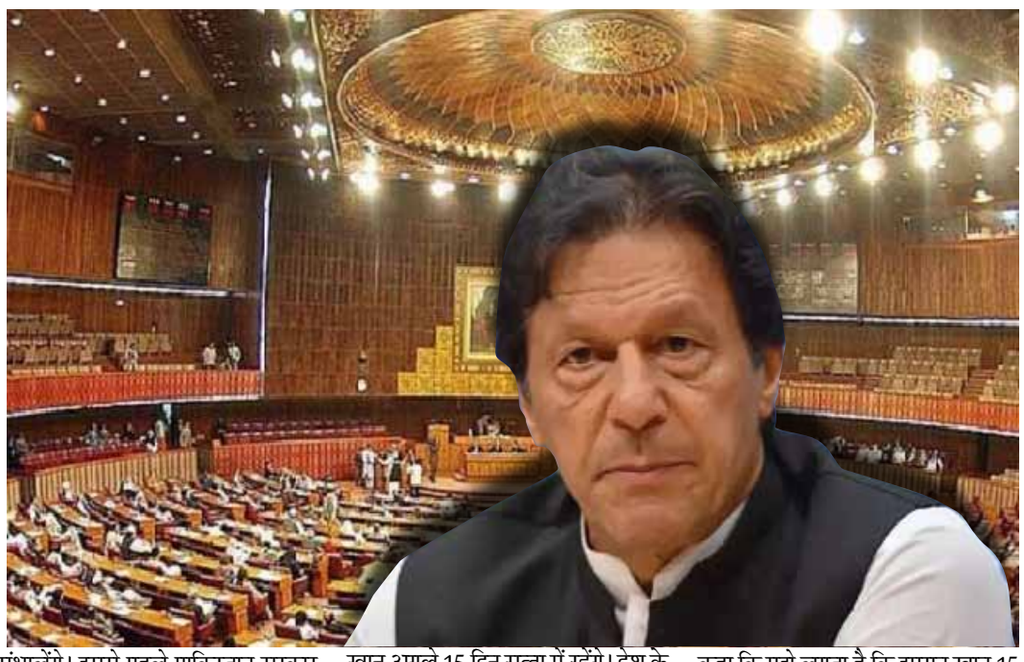

पाकिस्तान में रविवार को प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को बिना मतदान के ही खारिज कर दिया गया। नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर कासिम खान सूरी ने पाकिस्तानी संविधान के अनुच्छेद 5 का हवाला देते हुए इस अविश्वास प्रस्ताव को बिना वोटिंग के ही खारिज कर दिया। उधर, इमरान खान की सिफारिश के बाद पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने ससंद भंग कर दी। देश में अगले आम चुनाव 90 दिन के अंदर होंगे। वहीं, इसके खिलाफ विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जहां सुनवाई कल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। उधर, पाकिस्तान सरकार की ओर से एक अधिसूचना जारी हो गई है कि इमरान खान अब आधिकारिक रूप से प्रधानमंत्री नहीं हैं। पाकिस्तान के कैबिनेट सचिवालय की ओर से जारी एक अधिसूचना के अनुसार इमरान खान को देश के प्रधानमंत्री पद से आधिकारिक रूप से हटा दिया गया है। हालांकि, कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति होने तक इमरान खान की यह पद संभालेंगे। इससे पहले पाकिस्तान सरकार में पूर्व मंत्री शेख रशीद ने दावा किया था कि इमरान अभी 15 दिन प्रधानमंत्री बने रहेंगे। पाकिस्तान के पूर्व आंतरिक मंत्री शेख रसीद ने कहा है कि प्रधानमंत्री इमरान खान अगले 15 दिन सत्ता में रहेंगे। देश के पूर्व सुरक्षा प्रमुख रशीद ने कहा कि इमरान खान ने जब संसद के निचले सदन को भंग करने और चुनाव कराने की सिफारिश की थी, उसके बाद मैं उनके मिला था। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इमरान खान 15 और दिन प्रधानमंत्री बने रहेंगे। मैं लगातार यह कह रहा था कि राजनीतिक संकट के बीच चुनाव के साथ आगे बढ़ना ही सही रास्ता है।

'मस्जिदों से नहीं हटाए लाउडस्पीकर तो बजने लगेगा हनुमान चालीसा': राज ठाकरे

मुंबई/एजेंसी।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को राज्य सरकार से मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग की है। मुंबई के शिवाजी पार्क में एक रैली में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने कहा, ''मस्जिदों में लाउडस्पीकर इतनी अधिक मात्रा में क्यों बजाए जाते हैं? अगर इसे नहीं रोका गया तो मस्जिदों के बाहर अधिक मात्रा में हनुमान चालीसा के स्पीकर बजने लगेंगे।'' उन्होंने कहा, ''मैं प्रार्थना या किसी विशेष धर्म के खिलाफ नहीं हूं। मुझे अपने धर्म पर गर्व है।''

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए राज ठाकरे ने कहा कि सीएम ने चुनावों के दौरान जिन ताकतों का विरोध किया था, उन्हीं के साथ गठबंधन कर सरकार चला रहे हैं। राज ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवेंद्र फडणवीस को हमेशा मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया था और उद्धव ने कभी एक शब्द नहीं कहा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद ही उन्हें मुख्यमंत्री बनने और विपक्षी दलों के साथ गठबंधन करने का विचार आया। राज ठाकरे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) पर भी हमला किया। राज ठाकरे ने राकांपा पर गठन के बाद से ही राज्य में जाति आधारित नफरत फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''आज लोग राज्य में जाति के मुद्दों पर लड़ रहे हैं। हम कब इससे बाहर निकलेंगे और हिंदू बनेंगे?''

राज ठाकरे ने हाल ही में मुंबई में विधायकों को घर देने की राज्य सरकार की घोषणा की भी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था, ''उनकी पेंशन पहले रोकी जानी चाहिए। क्या वे अपने काम से लोगों पर कोई एहसान कर रहे हैं? उनके बंगले ले लो और फिर उन्हें घर दे दो। इस योजना में भी मुख्यमंत्री को क्या अच्छा लग रहा है। क्या इस योजना में भी कुछ ऐसा है जो रुचिकर है?'

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
59,276.69+708.18 (1.21%)
निफ्टी
17,670.45+205.70 (1.18%)

दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 06:09 ए एम
सूर्यास्तः 06:40 पी एम
तिथिः द्वितीया - 12:38 पी एम तक
नक्षत्रः अश्विनी - 12:37 पी एम तक
योगः वैधृति - 07:53 ए एम तक
करणः कौलव - 12:38 पी एम तक
द्वितीय करणः तैतिल - 01:12 ए एम
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः सोमवार

झारखंड में माओवादी बंद को लेकर सभी जिले हाई अलर्ट पर

रांची/एजेंसी। भाकपा माओवादियों के 5 अप्रैल की बंद को लेकर राज्य के सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। भाकपा माओवादियों ने सीसी मेंबर अरूण कुमार भट्टाचार्जी के असम पुलिस के द्वारा गिरफ्तारी के विरोध में बुलाया है। माओवादियों की मांग है कि अरूण को राजनीतिक कैदी का दर्जा दिया जाएगा। माओवादियों के प्रवक्ता के द्वारा बंद के ऐलान के बाद राज्य पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। साथ ही सुरक्षाबलों के प्रतिष्ठान, नक्सली इलाके में पड़ने वाले केंद्रीय प्रतिष्ठान, रेलवे की सुरक्षा के लिए विशेष एहतियाती कदम उठाने के निर्देश पुलिस मुख्यालय ने जारी किए हैं।

राज्यों की लोकलुभावन योजनाओं पर नौकरशाहों ने जताई चिंता

श्रीलंका जैसा बन सकता है संकट : पीएम मोदी

नयी दिल्ली/एजेंसी।

वरिष्ठ नौकरशाहों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक मैराथन बैठक के दौरान कुछ अधिकारियों ने कई राज्यों की ओर से घोषित लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता व्यक्त की है। सूत्रों ने रविवार को बताया कि इस बैठक के दौरान अधिकारियों ने दावा किया कि ये योजनाएं आर्थिक रूप से सतत नहीं हैं और राज्यों को उसी राह पर ले जा सकती हैं, जिस पर श्रीलंका है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को अपने शिविर कार्यालय पर सभी विभागों के सचिवों के साथ बैठक की थी। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पीके मिश्रा और कैबिनेट सचिव राजीव गौबा के साथ केंद्र सरकार के अन्य शीर्ष नौकरशाह भी शामिल हुए थे। साल 2014 के बाद से सचिवों के साथ प्रधानमंत्री की यह नौवीं ऐसी बैठक थी। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने नौकरशाहों से स्पष्ट रूप से कहा था कि वे कमियों को प्रबंधित करने की मानसिकता से बाहर निकलकर अधिशेष के प्रबंधन की नई चुनौती का सामना करें। उन्होंने कहा कि प्रमुख विकास परियोजनाओं को नहीं लेने के लिए लिए गरीबी का बहाना बनाने की पुरानी कहानी सुनाना बंद करें और बड़ा दृष्टिकोण अपनाते हुए अपना कर्तव्य निभाएं। इस दौरान दो दर्जन से अधिक सचिवों ने अपने पक्ष प्रस्तुत किए और प्रधानमंत्री मोदी के साथ फीडबैक साझा किए। एक राज्य में हालिया विधानसभा चुनाव में घोषित की गई एक लोकलुभावन योजना का उल्लेख किया जो वित्तीय रूप से खराब स्थिति में है। इसके अलावा अन्य राज्यों में ऐसी ही अन्य योजनाओं का उल्लेख करते हुए सचिवों ने कहा कि ये आर्थिक रूप से सतत नहीं हैं और बहुत कमजोर हैं और ये राज्यों को उसी रास्ते की ओर ले जा सकती हैं जिस पर श्रीलंका चल रहा है। श्रीलंका इस समय अपने इतिहास के सबसे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। यहां महंगाई चरम पर है और दैनिक उपभोग की वस्तुएं खरीद पाना भी लोगों के लिए मुश्किल हो गया है। देश में ईंधन, रसोई गैस और जरूरी वस्तुओं की कमी चल रही है और लोगों को इन वस्तुओं के लिए लंबी पंक्तियों में खड़े होना पड़ रहा है। देश दिवालिया होने की कगार पर है।

राज ठाकरे 3 से 4 महीने सोये रहते हैं और अचानक जाग जाते हैं : पवार

पुणे/एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पर 'जाति की राजनीति' करने के राज ठाकरे के आरोप को खारिज करते हुए पार्टी प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि मनसे अध्यक्ष किसी भी मुद्दे पर कभी एक राय नहीं रखते हैं और साल में तीन से चार महीने 'हाइबरनेशन' में रहते हैं, जो उनकी 'खासियत' है। शनिवार को मुंबई में शिवाजी पार्क में एक रैली में राज ठाकरे ने शरद पवार की आलोचना करते हुए उन पर ''समय-समय पर जातिगत कार्ड खेलने और समाज को बांटने'' का आरोप लगाया था। पवार ने कोल्हापुर में पत्रकारों से कहा, 'इसके विपरीत राकांपा ने सभी जातियों के लोगों को एकजुट किया है। राज ठाकरे को टिप्पणी करने से पहले राकांपा का इतिहास पढ़ना चाहिए।' महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) प्रमुख के भाषण पर एक सवाल के जवाब में पवार ने तंज कसते हुए कहा, ''राज ठाकरे तीन से चार महीने सोये रहते हैं और अचानक भाषण देने के लिए जाग जाते हैं। यह उनकी खासियत है। मुझे नहीं पता कि वह इतने महीनों तक क्या करते हैं।''

हिंदू नव वर्ष पर रैली पर पथराव के बाद हिंसा

19 घंटे बाद भी तनाव, लोगों को सुबह न दूध मिला और न अखबार

जयपुर/एजेंसी।

राजस्थान के करौली में शनिवार शाम करीब छह बजे हिंदू नव वर्ष पर निकाली गई रैली पर पथराव के बाद हिंसा भड़क गई। इससे शहर में माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। कर्फ्यू और डर के कारण लोग घरों में कैद हैं। 18 घंटे बाद भी हालात पहले की तरह सामान्य नहीं हो पाए है। इससे रविवार सुबह शहर के कुछ इलाकों में मूलभूत सुविधाओं भी बाधित रहीं। लोगों दूध और अखबार जैसी जरूरी चीजों का वितरण नहीं हो सका। इधर, इंटरनेट सेवा बंद होने के कारण भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है। उधर, बाइक रैली पर किए गए पथराव का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि, हटवारा बाजार से रैली गुजरने के दौरान विशेष समुदाय के कुछ लोग मकानों की छतों से पथराव करने लगते हैं। इससे रैली के साथ चल रहे एसएचओ सहित तीन पुलिसकर्मी और कुछ लोग घायल हो गए। इसके बाद दोनों समुदाय आमने-सामने आ गए और हिंसा भड़क गई। देखते ही देखते उपद्रवियों ने बाजार में स्थित दुकानों में आग दी।

इसके बाद हालात काबू से बाहर हो गए और जयपुर से 600 पुलिसकर्मियों के दल को बुलाना पड़ा। इसके साथ ही पुलिस के आला अधिकारी भी करौली पहुंचे। हालात काबू करने के लिए पुलिस ने सबसे पहले धारा 144 लागू की, लेकिन इसका प्रभाव नहीं दिखने के कारण कुछ देर बाद शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया। पुलिस ने लोगों को समझाइश देकर और सख्ती बरतकर शांत कराया। हिंसा में पुलिसकर्मियों सहित 43 लोग घायल हो गए थे। मामूली घायलों को इलाज के बाद शनिवार को ही छुट्टी दे दी गई थी। जबकि एक गंभीर रूप से घायल पुष्पेंद्र का जयपुर के अस्पताल में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को हिंसा पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि दंगा भड़काने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में हर हाल में कानून का पालन होगा।

शनिवार देर रात 12 बजे प्रशासन ने दोनों समुदाय के वरिष्ठ लोगों के साथ बैठक की। इस दौरान लोगों को समझाइश देकर शांति बनाए रखने के लिए कहा गया। प्रशासन ने दोनों पक्षों से युवाओं को शांत कराने की अपील भी की है।

आवश्यकता

झारखण्ड की उपराजधानी दुमका से संचालित 'झारखण्ड देखो' डिजिटल ईपेपर के लिए झारखण्ड के सभी जिलों से संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

संपर्क करें -9955599136

Immediately Required

Franchise / Mitr Sewak

for working on following services on commission basis:-

- Amazon Easy store
- Mitr Digi Portal (AEPS, , DMT, ATM, RECHARGE, BILL PAYMENTS etc.)
- Online Bima for all major Bima Companies
- Online E-Store for E-Commerce
- Mutual fund, Tax filling, NPS, Share, Demat / online Trading
- Othere services

Registration Charges 2000+GST

Income opportunity of Rs. 40,000-60,000 with les investment

Mitr Sewa Pvt. Ltd.
Vikas Sabke Dwaar

Immediately contact

Shri : Manoj Kumar
Post : Area Manager, Mitr Sewa Foundations
Mob : 9151005283, 9006469840
Email : manoj.kumar@mitrsewa.in

विभिन्न समस्याओं को लेकर 12 अप्रैल को धरना प्रदर्शन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ, जिला शाखा, दुमका की बैठक अध्यक्ष साथी प्राण मोहन मुर्मू की अध्यक्षता में हुई। जिसमें जिला सचिव राजीव नयन तिवारी ने विचारणीय विषयों पर प्रकाश डालते हुए महासंघ के क्रिया-कलापों पर विस्तार से चर्चा किया। तिवारी ने मानदेय, अनुबंध, उजरतभोगी, ठेका कर्मियों, प्रोत्साहन भत्ता कर्मी आदि को नियमित करने तथा पुरानी पेंशन योजना को पुनः लागू करने, विभिन्न विभागों के कर्मियां को एसीपी/ एमएसीपी का लाभ, पद प्रोन्नति, ठेका कर्मियों को मानदेय में एसीपी/एमएसीपी आदि तमाम कठिनाईयों को देखते हुए स्वास्थ्य कर्मियों जिन्होनें विगत वर्षों करोना काल में सभी कठिनाईयों से सामना करते हुए समर्पित भाव से काम किया है। ऐसे कर्मचारियों को नियमित किया जाय। राजपत्रित अवकाश, सप्ताहिक एवं अन्य निर्धारित अवकाश उपयोग करने का अवसर दिया जाय। प्रायः देखा जाता है कि विभिन्न विभागों में अवकाश के दिन बैठक आदि रख दिया जाता है। इस पर रोक लगाया जाय। कर्मियों को अवकाश का उपभोग करने दिया जाय। उन्होने कहा कि सरकार की निजीकरण नीतियों का कर्मचारी/श्रमिक विरोधी कानुनो का महासंघ विरोध करता है।

वक्ता के रूप में राज्य महासंघ के मुख्य संरक्षक, तारणी प्रसाद कामत, वरीय नेता वासुदेव प्रसाद, शचामादेवी यादव ने अपना विचार रखा।

वक्ताओं ने देश एवं राज्य में सरकारों द्वारा की जा रही कर्मचारी विरोधी नीतियों का आलोचना करते हुए इनके विरूद्ध राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे आन्दोलन का समर्थन करते हुए एक व्यापक एकता का निर्माण कर संघर्ष को तेज करने पर बल दिया।

बैठक में 12 अप्रैल को विभिन्न विभागों के समस्याओं के समाधान हेतु प्रदर्शन कर उपायुक्त, दुमका को संलेख समर्पित करने का निर्णय लिया। सभी कर्मियों से 12 अप्रैल को पुराना स्थापना (एनआई परिसर) में अपराह्न 2 बजे उपस्थित होने का आग्रह किया गया। साथ ही 14 अप्रैल को वन विभाग कर्मचारी संघ, दुमका का जिला सम्मेलन कराने पर सहमति बनी। बैठक में ओम प्रकाश चौबे, कैलाश प्रसाद साह, कमलेश कुमार सिंह, अमरेश कुमार, सुधीर तिवारी, राकेश कुमार, दिलीप राउत, रंजीत सिन्हा, मीना कुमारी, सोनाली रूज, विनिता कुमारी, मरीयम टुडू, गौतम मंडल, कुमार सत्येन्द्र, पंकज कुमार सिंह, तपन ठाकुर, राजीव श्रीवास्त, कृष्णानन्द झा, सेराजुल हसन, अजीतेश राय, गोपाल झा, नित्यानन्द सिंह, जीतेन्द्र सिंह, देवेन्द्र सिंह, करूणेश पाण्डेय, वकील महतो, श्रीमंत दास, कुमार मिश्र, विजय कुमार, सुशील मिश्र, आलवीन टुडू, अनील गुप्ता, अजय कुमार, सनोज कुमार दास, मानीक चन्द्र, जीया आफताफ इत्यादि ने भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

खूँटा बाँध छठ पूजा समिति ने चबूतरे का निर्माण को लेकर किया बैठक

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। खूँटा बाँध छठ पूजा समिति की एक बैठक आहूत की गयी जिसका मुख्य उद्देश तालाब में सूर्य नारायण के प्रतिमा हेतु चबूतरे का निर्माण कार्य करने हेतु निर्णय लेना था ।चबूतरे के निर्माण को लेकर रविवार को खूँटा बाँध परिसर में समिति के संरक्षक नरेंद्र प्रसाद साह की अध्यक्षता में एक बैठक सम्पन्न हुई ।बैठक में बिनोद कुमार लाल, अशोक कुमार राउत, अशोक कुमार साहा, सुमंत कुमार यादव (वार्ड पार्षद), बंशीधर पंडित, मिथिलेश सिंह, कुणाल झा, गौतम कुमार, जगदीश पासवान, सौरभ यादव, अतुल कुमार, सत्यम सिंह, पिंकू प्रसाद राम, बिकाश मिश्रा, आशीष रंजन, मो अजीज, रंजीत मिश्रा, सोनू कुमार, संदीप कुमार, राहुल गुप्ता, संजीव कुमार, संजय यादव, राकेश कुमार आदि उपस्थित रहे ।बैठक में प्रस्ताव पारित कर चबूतरे के निर्माण को लेकर खूँटा बाँध तालाब में नींव रखे जाने का निर्णय लिया गया, जिसे लेकर सात अप्रैल को भूमि पूजन की तिथि निर्धारित की गयी ।उक्त निर्माण कार्य के देखरेख को लेकर छह सदस्यीय टीम का गठन किया गया जिसमें नरेंद्र प्रसाद साह, सुमंत यादव, मिथिलेश सिंह, कुणाल झा, गौतम कुमार एवं राहुल गुप्ता को शामिल किया गया।

दिव्यांग बच्चों के बीच कंप्यूटर चलाने का प्रशिक्षण शुरू

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। एक नई दिशा सामाजिक संस्था के द्वारा विशेष दिव्यांग शिक्षक राज कुमार ने दुमका में रह रहे नेशनल युथ ब्लाइंड एसोसिएशन के पूर्ण दृष्टिबाधित दिव्यांग बच्चों के बीच कंप्यूटर चलाने का प्रशिक्षण शुरू किया । पूर्ण दृष्टिबाधित बच्चे बड़े आराम से डेस्कटॉप या लैपटॉप चला लेते है ।दृष्टिबाधित बच्चों को कंप्यूटर चलाने सिखाने के लिये विशेष प्रशिक्षण लेने की आवश्यकता होती है । प्रशिक्षित शिक्षक ही इन्हें सिखाते है ।दृष्टिबाधित बच्चे देख नही पाते है लेकिन अगर हम इंस्ट्रक्शन बोल कर देते है तो वो कर पाते है ।ठीक उसी तरह कंप्यूटर में खास प्रकार का बोलता हुआ सॉफ्टवेयर के द्वारा इन्हे बार बार अभ्यास के द्वारा सीखा पाते है ।संस्था हर रविवार को दृष्टिबाधित बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण देने का काम करेगी ।ताकि ऐसे बच्चों सिर्फ समय न यू ही बिताए ।इनके अंदर कंप्यूटर स्किल डेवलोपमेन्ट कर किसी रोजगार से जोड़ पायेगे ताकि ये भी समाज के मुख्य धारा के जुड़ कर सम्मानित महसूस कर ज़िंदगी बिताये।

केक काटकर मनाया स्थापना दिवस

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिला वॉलीबॉल संघ,दुमका के बैनर तले झारखंड राज्य वॉलीबॉल संघ का स्थापना दिवस तथा शेखर बोस का जन्मदिन मनाया गया ।वॉलीबाल संघ के अध्यक्ष बिमल भूषण गूहा उर्फ बाबू दा, उपाध्यक्ष- सूरज केशरी, कोषअध्यक्ष हैदर हुसैन, पुलिस मेंस एसोसिएशन के पूर्वअध्यक्ष रामजी सिंह राष्ट्रीय खिलाड़ी-सह-कोच राजेश कुमार, अनिल कुमार सिंह , गौरव सिंह कोच जिला वॉलीबॉल संघ, जहांगीर हुसैन, अमर कुमार सिंह, तरुण कुमार आदि ने बधाई व शुभकामनाएं देते हुए संघ के स्थापना दिवस पर केक कटकर व मिठाई बांटकर खुशीयां मनाई ।इसकी जानकारी संघ के सचिव मुकेश कुमार ने दिया।

बीडीओ ने किया मनरेगा के तहत सिंचाई कूप का निरीक्षण

रोजगार सेवक को सूचना बोर्ड अविलम्ब लगाने का निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त के निदेशानुसार सदर प्रखण्ड अन्तर्गत भुरकुण्डा और बड़तल्ली पंचायत में मनरेगा के तहत योजनाओं का निरीक्षण प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका सदर द्वारा किया गया। भुरकुण्डा पंचायत के गरडी गॉव में लाभुक पनेशल मराण्डी और मनोज मराण्डी का बिरसा हरित ग्राम योजना अन्तर्गत आम बागवानी योजना का ले-आउट कराया गया। गरडी गॉव में ही मनरेगा के तहत सिंचाई कूप का निरीक्षण करते हुए रोजगार सेवक को सूचना बोर्ड अविलम्ब लगाने का निदेश दिया गया। भुरकुण्डा पंचायत के छोटा आमजोला गाँव में ग्राम प्रधान और ग्रामीणों को बागवानी योजना का लाभ बताते हुए लाभुक केशोवती देवी और भगीरथ राय का दो एकड़ जमीन का चयन किया गया । बड़तल्ली पंचायत के मुर्गाबनी गॉव में पिछले दो वित्तीय वर्ष में 20 एकड़ जमीन पर बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बागवानी योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। साथ में इन्टर कोपिंग कर मकई और सब्जी का भी उत्पादन किया जा रहा है। मनरेगा पार्क के रूप में विकसित करने के लिए दो पशु शेड, सिंचाई कूप, कम्पोष्ट पिट भी स्वीकृत किया गया है। इस मनरेगा पार्क में मछली उत्पादन के लिए तालाब बनाने का भी निर्णय लिया गया । इस वित्तीय वर्ष में भी इस योजना के बगल में ही दस एकड़ और जमीन का चयन किया गया।

निरीक्षण के दौरान प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, संबंधित कनीय -अभियंता, संबंधित रोजगार सेवक और लाभुक उपस्थित थे।

ग्रामीण ज्योति मिशन विद्युतीकरण कार्य में घोर अनियमितता

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। ग्राम ज्योति मिशन विद्युतीकरण कार्य में प्राक्कलन के अनुरूप काम नहीं होने और जमीन पर महज 50 फीसदी ही काम होने को लेकर झारखंड विद्युत विभाग के सचिव को शहर के बंदरजोरी के रहने वाले एक व्यक्ति ने आवेदन देकर कहा है कि जिले में केन्द्र सरकार की अति महत्त्वाकांक्षी योजना ग्राम ज्योति मिशन के कार्यों में व्यापक पैमाने पर अनियमितता बरती गई है। वित्तीय वर्ष 2016-17 में दुमका जिले के रामगढ़ शिकारीपाड़ा, रानेश्वर सरैयाहाट आदि प्रखण्डों के ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी क्षेत्र जैसी विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए योजना चलायी गई है। इस योजना के तहत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का ट्रासफॉर्मरों के बदलने और केबुल बिछाने का काम किया जाना था, लेकिन इन योजनाओं में घटिया तरीके से काम किया गया और गंभीर बात यह है कि महज 50 प्रतिशत ही काम किया गया है तथा संवेदक द्वारा विभागीय मिलीभगत से पूर्ण राशि की निकासी कर ली गई। इस योजना के अन्तर्गत कई संवेदकों को 100 पोल लगाने और केबल बिछाने का काम मिला तो उन्होंने महज 50 फीसदी ही काम किया और पूरी राशि निकाल ली। ट्रांसफॉर्मर के सी थी में पहले से ही स्ट्रक्चर लगा था लेकिन संवेदक द्वारा विद्युत विभाग के स्टोर से पुन स्ट्रक्चर का आवंटन ले लिया गया। इसी प्रकार केबुल भी स्टोर से ले लिया गये और 4 पोल में केबुल बिछाकर को पुराने केबुल से जोड़ दिया गया तथा शेष बचे हुए केबुल को बाजार में बेच दिया गया। जानकारी के अनुसार विद्युत विभाग, दुमका द्वारा इस योजना के क्रियान्वयन के लिए जिले में मजदूरी भुगतान सिर्फ 3 करोड़ रुपये किया गया है और विभाग द्वारा संवेदक को करोड़ों रुपये का सामन स्टोर से आपूर्ति की गई है। लेकिन संवेदक द्वारा विभागीय मिलीभगत से इस योजना को आधे-अधूरे ढंग से काम करके राशि की पूर्ण निकासी कर ली गई है, जिसकी उच्चस्तरीय जाँच जनहित में आवश्यकता की मांग की गई है।

तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मुफस्सिल थाना के आसनसोल गांव में तालाब में डूबने से दो मौसेरे भाईयों की मौत हो गयी. मृतक का नाम अभिषेक और अंकित है. दोनों की उम्र 6 से 8 साल बतायी जा रही है. अंकित कुमार मंडल पिता राजीव कुमार मंडल मूल रूप से शिकारीपाड़ा प्रखंड के झुरको गांव का रहने वाला था. रविवार की सुबह वह अपने माता पिता के साथ अपने मौसा घर आसनसोल आया था. अतिथि के आने पर घरवालों ने उसी तालाब से मछली मारा. खाना खाने के बाद अभिषेक, अंकित और एक अन्य बच्चा बगैर बताए खेलने बाहर निकल गया. खेलते खेलते तीनों बच्चे उसी तालाब के किनारे पहुंच गए जिसमे सुबह मछली मारा गया था.खेल खेल में अभिषेक और अंकित तालाब में उतर गया. पानी अधिक होने के कारण दोनों डूबने लगे. साथ गए तीसरे बच्चा दौड़ कर घर पहुंचा और परिजनों को दोनों के डूबने की स्थिति से अवगत कराया. जानकारी मिलते ही परिजन तालाब के पास पहुंचे लेकिन तब तक दोनों बच्चे डूब गए थे. कड़ी मशक्कत के बाद दोनों बच्चों का शव तालाब से बाहर निकाला गया. जीवन की आश में दोनों बच्चों को लेकर परिजन फूलो झानो मेडिकल कॉलेज पहुंचे जहाँ डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया. मृत घोषित करते ही परिजनों के करुण क्रंदन से पूरा अस्पताल परिसर गूंज उठा. दोनों बच्चे अपने अपने घर के इकलौता चिराग थे. अस्पताल प्रबंधन द्वारा इसकी सूचना नगर थाना को दी गयी. नगर थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

बच्चो एवं ग्रामीणों को दी गई पोषण से सम्बंधित जानकारी

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा महाविद्यालय के एनएसएस यूनिट एक के कार्यक्रम पदाधिकारी बद्री नारायण भगत के नेतृत्व में पोखरिया ग्राम में पोषण पखवाड़ा मनाया गया ।पोषण पखवाड़ा चार अप्रैल तक चलेगा ।महाविद्यालय एनएसएस यूनिट 1 के कार्यक्रम पदाधिकारी बद्रीनारायण भगत ने बच्चो एवं ग्रामीणों को पोषण से सम्बंधित प्रशिक्षण एवं जानकारी दी ।उन्होंने हमेशा पौष्टिक आहार सेवन करने की सलाह दी ।इस दौरान पोखरिया विद्यालय के परेश मण्डल , समाज सेवी सुचाँद दास एवम रियंका मंडल , मधुमिता, सौरभ, राजेश एवं काफी संख्या मे छात्र-छात्राएं मौजूद थे ।कार्यक्रम को सफल बनाने में परेश मण्डल,रियंका मंडल,समाज सेवी सुचाँद दास की मुख्य भूमिका रही।

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जिला प्रभारी ने किया बैठक ,विभिन्न कार्यक्रम को लेकर बनाई रणनीति

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यलय में जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन की अध्यक्षता में बैठक हुई ।बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला प्रभारी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार राज्य के सभी जिले में मंडल एवं बूथ स्तर पर पार्टी के स्थापना दिवस 6 अप्रैल से लेकर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती 14 अप्रैल तक पार्टी के द्वारा लगातार कार्यक्रम किया जाना है, पार्टी के स्थापना दिवस 6 अप्रैल को सभी पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ता अपने अपने घरों में पार्टी का झंडा लगाएंगे वहीं मंडल एवं जिला कार्यालय में भी सामूहिक रूप से झंडोत्तोलन कर 20 से 30 मिनट तक हाथ में झंडा और पार्टी का टोपी पहन कर शोभा यात्रा निकालेंगे, तत्पश्चात 10 बजे सभी देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी की स्थापना दिवस के अवसर पर संबोधन को कार्यालय में व्यवस्था बनाकर कम से कम 200 की संख्या में बैठकर सामूहिक रुप से सुनेंगे। दूसरे दिन लगातार सेवा का कार्य किया जाएगा जिसमें तालाबों की सफाई, स्वास्थ्य शिविर, पोषण अभियान करना हैं और अंतिम दिन 14 अप्रैल को डॉक्टर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की साफ-सफाई पुष्पांजलि और उनके जीवन एवं कार्यों के विषय में कि सी एक नेता अथवा कार्यकर्ता द्वा-रा संबोधन सुनना निश्चित करना है, मीडिया प्रभारी पिन्टु अग्रवाल ने कहा कि इन्हीं कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर आज दुमका जिला कार्यालय में जिला के पदाधिकारी, मंडलों के अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी/ कार्यसमिति सदस्य एवं मोर्चा के जिला अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई मीडिया प्रभारी पिन्टु अग्रवाल ने कहा कि आज की बैठक में मुख्यरूप से प्रदेश प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद शर्मा ,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवास मंडल अमिता रक्षित , सुरेश मुर्मू ,जिला उपाध्यक्ष मनोज पांडे , जवाहर मिश्रा , धर्मेंद्र सिंह , महामंत्री विवेकानंद राय , दीपक स्वर्णकार , मंत्री पूनम देवी, चुन्नी लाल राय , लक्ष्मण पंडित , मीडिया प्रभारी पिंटू अग्रवाल , युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार मण्डल , अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष बिमल मरांडी , अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रशांत दास , अल्प संख्यक के फारूक अनवर , किसान मोर्चा जयप्रकाश मंडल, पिछड़ी जाति मोर्चा पिंटू साह , महिला मोर्चा के महामंत्री मनोरमा देवी,दुमका नगर अध्यक्ष पंकज वर्मा, दुमका ग्रामीण गणपति पाल , दुमका सदर सुधीर पाल, शिकारी बड़ा पूर्वी सुभाष चटर्जी, काठीकुंड लालचंद पाल, चुटो बेदिया मुन्ना यादव, हंसडीहा बर्गुनाथ यादव, सरैयाहाट बलराम राय, बासुकीनाथ स्वरूप सिन्हा , रानेश्वर रघुनाथ दता, सदर दुमका सुधीर पाल , गोपीकांदर नकुल साह , मसलिया नरेश मंडल , जामा राजू द्रवै , चुटोबेदिया मुन्ना यादव, सोशल मीडिया प्रभारी प्रवीण सिंह , सुजीत यदुवंशी आदि मौजूद थे।

To-Let
Second floor

1. Bedroom - 2
2. Study room -1
3. Dinning Hall
4. Kitchen

Address : Kumharpara, Kali Mandir, Dumka.
Rent -Rs. 10000 + Electricity Bill.

Contact number : 7991134302, 8969695666

राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का उचित अनुपालन सुनिश्चित करते हुए सरहुल एवं रामनवमी पर्व मनाएं: डीसी

संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखने का दिया गया आवश्यक निर्देश

- **सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर विशेष निगरानी रखेंगे, अफवाहों और भ्रामक खबरों का प्रचार करने वाले ग्रुप एडमिन पर उचित कार्रवाई करेंगे:- पुलिस अधीक्षक**
- **अलर्ट मोड में रहेंगे सभी अधिकारी/थाना प्रभारी, सूचना तंत्र को रखें सक्रिय,दो से तीन दिनों में शांति समिति की करें बैठक**

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः (विनोद कुमार दास) देर शाम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आगामी पर्व सरहुल एवं रामनवमी पर्व मनाने को लेकर विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था संधारण को लेकर उपायुक्त वरुण रंजन एवं पुलिस अधीक्षक एचपी जनार्दनन की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस दौरान उपायुक्त वरुण रंजन ने सरहुल एवं रामनवमी का पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर सभी को यथाशीघ्र तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया। डीसी ने सभी एसडीओ/सभी एसडीपीओ और थाना प्रभारी को अलर्ट मोड में रहने एवं अपने-अपने सूचना तंत्र को सक्रिय रखने का निर्देश दिया। साथ ही सभी को अपने क्षेत्र अंतर्गत शांति समिति की बैठक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से बताया गया कि राज्य सरकार से कोविड-19 के मद्देनजर प्राप्त गाइडलाइन के तहत रामनवमी पर्व के जुलूस में 100-100 के ग्रुप में श्रद्धालु गण निकल सकते हैं तथा जहां पर सभी का मिलान होगा, वहां पर जुलूस में श्रद्धालुओं की अधिकतम संख्या 1000 से अधिक नहीं होगी तथा अपराहन 6:00 बजे तक ही धार्मिक जुलूस का आयोजन किया जाएगा। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को निर्गत अनुपालन का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करवाने हेतु निर्देशित करते हुए बताया गया कि गाइडलाइन के मुताबिक धार्मिक जुलूस में रिक- ॉर्डेड म्यूजिक, डीजे बजाने की मनाही रहेगी। बैठक में निर्देशित किया गया कि क्षेत्र अंतर्गत पुलिस पदाधिकारी सहित संबंधित पदाधिकारी सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखेंगे ताकि किसी भी प्रकार का कोई भी आपत्तिजनक संदेश का फैलाव ना हो सके। राज्य सरकार द्वारा जुलूस को लेक- र जारी गाइडलाइन का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराएंगे। सभी एसडीओ/एडीपीओ, बीड- ीओ/सीओ/थाना प्रभारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए क्षेत्र में काम करेंगे। उनके रूट व जुलूस कहां शुरू होगा एवं कहा खत्म होगा, समय अवधि आदि की पूरी जानकारी रखेंगे। इस दौरान कोविड अनुरूप व्यवहारों यथा सामाजिक दूरी, फेस मास्क, हैंड सेनेटाईजर का उचित अनुपालन सभी के लिए अनिवार्य होगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखेंगे। किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं हो, किसी भी सूचना पर अपने वरीय पदाधिकारियों को सूचित करते हुए त्वरित कार्रवाई करेंगे। ऐसे व्यक्तियों जो पूर्व में दंगा एवं साम्प्रदायिक काण्डों में संलिप्त/आरोपित रहे हों या किसी व्यक्ति विशेष के बारे में यह जानकारी हो कि वह व्यक्ति साम्प्रदायिक दंगा या अफवाह फैलाते हो तो ऐसे व्यक्तियों की सूची साथ रखें एवं वांछित विधिमान्य कार्रवाई करें। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र के शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर लें एवं विवादित बिन्दुओं का समाधान संगोष्ठी में ही हो जाय। बैठक में उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, सभी बीड- ीओ, सीओ, एसडीपीओ एवं सभी थाना प्रभारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे।

पेंशन चेतना यात्रा सह जिला अधिवेशन का आयोजन का आयोजन

- **पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू कर घोषणा को अधिसूचना में बदलने की मांग सरकार से की**

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़/ नेशनल मूवमेंट ऑफ ओल्ड पेंशन स्कीम झारखण्ड के आ''ान पर पाकुड़ जिले में पेंशन चेतना यात्रा सह जिला अधिवेशन का आयोजन योग भवन पाकु- ड़ में किया गया। इस आयोजन में सैकड़ों सरकारी कर्मचारियों समेत बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। पेंशन चेतना यात्रा का शुभारंभ योग भवन से किया गया जो रविन्द्र चौक, भगत पाड़ा, थानापाड़ा, इंदिरा चौक, बिरसा चौक से होते हुए कचहरी चौक, पार्क चौक होते हुए योग भवन में अधिवेशन में तब्दील हो गई। योग भवन में आयोजित जिला सम्मेलन का उद्घाटन एनएमओपीएस के प्रांतीय महासचिव प्रदीप कुमार मंडल, प्रांतीय उपाध्यक्ष मुकेश चन्द्र पासवान, मुख्य समन्वयक पंकज कुमार सिंह, पाकु- ड़ जोन के संगठन सचिव मुरलीधर रजक, जिला संयोजक समेत अन्य के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अधिवेशन को संबोधित करते हुए प्रांतीय महासचिव प्रदीप कुमार मंडल ने कहा कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार से हम कर्मचारियों को पूर्ण विश्वास है कि सरकार बहुत जल्दी पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की घोषणा को अधिसूचना में बदलने वाली है, यह कर्मचारियों की हितैषी सरकार है। जब सरकार घोषणा कर सकती हैं तो हम कर्मचारियों को पूरा भरोसा है सरकार अपने वायदे को पूरा करेगी। वहीं मुख्य समन्वयक पंकज कुमार सिंह ने कहा कि हम सभी के सामूहिक प्रयास के कारण सरकार ने हमारी मांगों को पूरा करने की जरूरत महसूस की है। सदन में मुख्यमंत्री ने पुरानी पेंशन बाहल करने की घोषणा कर एनपीएस कर्मचारियों का दिल जीतने का काम किया है। प्रांतीय उपाध्यक्ष मुकेश चन्द्र पासवान ने कहा कि पुरानी पेंशन व्यवस्था को बहाल करने को लेकर मुख्यमंत्री की मंशा साफ है। लेकिन जब तक सरकार घोषणा को अधिसूचना में नहीं बदलती है तब तक हम सभी सरकार को सोने नहीं देंगे। संगठन सचिव मुरलीधर रजक ने कहा कि पुरानी पेंशन बुढ़ापे की लाठी है । सरकारी हमारे बुढ़ापे की लाठी को फिर से सौंपने जा रही है। हम इस अधिवेशन के माध्यम से सरकार को जगाए रखना चाहते हैं ताकि सरकार अपने वायदे को भूल न जाए। जिला संयोजक शमशेर आलम ने कहा की पेंशन आन्दोलन रोज़ एक नयी करवट ले रहा है विगत कुछ समय से पुरानी पेंशन के प्रति समाज के सभी वर्गों में एक सकारात्मक भाव आया है और हर व्यक्ति अब यह समझ रहा है की एनपीएस कहीं से भी एक अच्छी व्यवस्था नहीं है। इससे न तो सरकार के खर्चे में कोई खास कमी आयी है और इसके तहत सेवा निवृत्त व्यक्ति को किसी तरह का भला हो सकता है। सह संयोजक अतिकुर रहमान ने कहा कि सरकार को जल्द से जल्द पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू करने पर विचार करे। मौके पर एनएमओपीएस संघ के संरक्षक चन्द्रशेखर सिंह, जिला सह संयोजक नमिता त्रिवेदी, अतिकुर रहमान, नरेश डे, नीलू कुमारी, शिवाशिष कुमार, मनोज कुमार, अजय कुमार, जिला मिडिया प्रभारी दिलीप कुमार राय, प्रखंड संयोजक विजय भंडारी, जैनूल आबेदीन, मुख्तार आजम समेत अन्य मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन जिला मिडिया प्रभारी दिलीप कुमार राय एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड संयोजक विजय भंडारी ने किया।

ट्रैफिक की लचर व्यवस्था और नाबालिग द्वारा परिचालन पर रोकथाम को ले की बैठक

पाकुड़। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। रविवार को बाजार समिति पाकु- ड़ में ऑटो चालक संघ पाकुड़ की एक बैठक आहूत की गई, बैठक की अध्यक्षता ऑटो चालक संघ पाकुड़ के अध्यक्ष संतु चौधरी ने की। पाकुड़ में ट्रैफिक की लचर व्यवस्था और नाबालिगों द्वारा परिचालन पर रोकथाम लगाने हेतु हम सभी मिलकर संकल्प ले तो, पाकुड़ ट्रैफिक व्यवस्था सुधर सकती है, उन्होंने यह भी कहा कि ऑटो टोटो चालकों के द्वारा जहां-तहां गाड़ी लगाकर पैसेंजर लेने के कारण तथा ओवरटेक करने के कारण जाम की समस्या उत्पन्न होती है, संतु चौधरी ने सभी ऑटो ऑटो चालकों को बैठक के माध्यम से आग्रह करते हुए कहा कि कोई भी ऑटो टोटो चालक यत्र तत्र गाड़ी खड़ा कर यात्री को गाड़ी में नहीं बैठाएंगे और ना ही भीड़ भाड़ वाली जगह में ओवरटेक करेंगे, बैठक के माध्यम से यात्रियों से भी आग्रह किया कि जहां तहां हाथ दिखाकर ऑटो टोटो को ना रोकवाये ना ही जहां-तहां गाड़ी रोककर गाड़ी से उतरने का प्रयास ना करें। अवैध तरीके से स्टैंड बनाए हुए सभी ऑटो चालकों को यह निर्देश देते हुए कहा कि पाकुड़ रेलवे फाटक गांधी चौक और की सभी चौराहों पर गाड़ी ना लगाकर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर ही गाड़ी लगाएं। इस मौके पर ऑटो चालक संघ के सचिव उत्तम कुमार भगत, पाध्यक्ष उज्ज्वल भगत, मीडिया प्रभारी बप्पी साहा, राकेश ठाकुर, सुशांत रविदास, सुनील गुप्ता, चंदन रविदास, अमन सिंह, शिवम डोकानिया सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

जिले के सभी थाना में रामनवमी पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

- **100 लोगों से अधिक संख्या की भीड़ नहीं होगी, जुलूस की भीड़ अधिकतम 1000 से अधिक नहीं होनी**

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़/अमड़ापाड़ा/पाकुडियाः रामनवमी पूजा को लेकर नगर थाना में रविवार को अनुमंडल पदाधिकारी पंकज कुमार साव की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई. बैठक में उपस्थित पूजा समिति के सदस्य सहित अखाड़ा समिति के सदस्यों को अनुमंडल पदाधिकारी ने सरकार के द्वारा जारी गाइडलाइन के बारे में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार जुलूस में 100 लोगों से अधिक संख्या की भीड़ नहीं होगी, साथ ही भीड़ में डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा. जुलूस का प्रदर्शन और मूर्ति का विसर्जन संध्या 6 बजे तक ही निर्धारित समय के अंदर पूरा करना है. उन्होंने बताया कि जुलूस की भीड़ अधिकतम 1000 से अधिक नहीं होनी चाहिए, उन्होंने कहा कि पूजा समिति एवं अखाड़ा समिति को शांतिपूर्ण एवं सौहार्द तरीके से रामनवमी का त्यौहार मनाने की अपील की. साथ ही रमजान महीना को देखते हुए आपसी भाईचारे के साथ पर्व का आनंद उठाने की अपील की. बैठक में लोगों ने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पर भी बात उठाई. जिस पर एसडीओ ने जल्द ही सुधार करने का आश्वासन दिया. बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष संपा शाह, एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, नगर थाना प्रभारी मनोज कुमार, सीओ पाकुड़ वरुण केसरी सहित दर्जनों पूजा समिति के सदस्य उपस्थित थे। वही अमड़ापाड़ा थाना परिसर में पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में सरहुल एवं रामनवमी का पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर सभी को यथाशीघ्र तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया. बैठक में मुख्य रूप से बताया गया कि राज्य सरकार से कोविड-19 के मद्देनजर प्राप्त गाइडलाइन के तहत रामनवमी पर्व के जुलूस में 100-100 के ग्रुप में श्रद्धालु गण निकल सकते हैं तथा जहां पर सभी का मिलान होगा, वहां पर जुलूस में श्रद्धालुओं की अधिकतम संख्या 1000 से अधिक नहीं होगी तथा अपराहन 6 बजे तक ही धार्मिक जुलूस का आयोजन किया जाएगा। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को निर्गत अनुपालन का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करवाने हेतु निर्देशित करते हुए बताया गया कि गाइडलाइन के मुताबिक धार्मिक जुलूस में रिका- ॉर्डेड म्यूजिक, डीजे बजाने की मनाही रहेगी। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखेंगे। किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं हो, किसी भी सूचना पर अपने वरीय पदाधिकारियों को सूचित करते हुए त्वरित कार्रवाई करेंगे। इस दौरान कोविड अनुरूप व्यवहारों यथा सामाजिक दूरी, फेस मास्क, हैंड सेनेटाईजर का उचित अनुपालन सभी के लिए अनिवार्य होगा। वही पाकुड़िया थाना परिसर में रविवार को रामनवमी,सरहुल एवं रमजान को लेकर शान्ति समिति की बैठक थाना प्रभारी चन्दन कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में अंचलाधिकारी किरनडांग ने कोरोना गाइडलाइंस का पालन करते हुए रामनवमी, सरहुल और रमजान पर्व शान्ति पूर्व मनाने, खाड़े व जुलूस का आयोजन में विधि व्यवस्था बनाये रखने का अपील किया। वहीं थाना प्रभारी चन्दन गुप्ता ने भी रामनवमी त्योहार को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का अपील किया। बैठक में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा, सांसद प्रतिनिधि खुर्शीद आलम, पूर्व मुखिया शिव शंकर भगत, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मो इस्लाम अंसारी, अशोक भगत, रामनवमी कमेटी अध्यक्ष शम्भू भगत, सचिव सुबोध भगत, ओमप्रकाश भगत, लक्ष्मीनारायण भगत, सुकु भगत, मोहन मुर्मू आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

एसपी के निर्देश पर पुलिस के द्वारा यात्री बसों को जांच किया गया

पाकुड़। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के बड़ा पहाड़पुर गांव के पास गोविंदपुर साहिबगंज हाईवे पथ पर एसपी के निर्देश पर पुलिस इंस्पेक्टर साथ थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव के नेतृव में यात्री वाहनों को जांच किया गया. पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव ने बताया की एसपी के निर्देश पर क्षेत्र में अपराध नियंत्रण की दृष्टिकोण से रविवार को पुलिस के द्वारा बस के यात्री के बैग सहित गाड़ी की डिक्की का भी जांच किया गया. उन्होंने बताया कि क्षेत्र में इसी प्रकार की अपरांत को पनपने नहीं दिया जाएगा अवैध कारोबार करने वाले सचेत हो जाएं ताकि पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी मौके पर एसआई दिनेश प्रसाद चौरसिया एवं पुलिस बल के जवान मौजूद थे.

साइकिल और कार में टक्कर एक मजदूर घायल, बेहतर इलाज के लिए दुमका रेफर

पाकुड़। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के छोटा पहाड़पुर गांव के समीप मधुबन होटल के पास साहिबगंज गोविंदपुर हाईवे पर साइकिल और कार में टक्कर जिससे साइकिल सवार मजदूर रास्ता स्वर्ण 30 वर्षीय घायल हो गया इसकी सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर एंबुलेंस के सहयोग से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर लाया गया डॉक्टर के द्वारा मजदूर का प्राथमिक उपचार के बाद उनका रेफर कर दिया गया उधर पुलिस ने कार को जमकर थाना लाया पुलिस के द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार मजदूर रसका सोरेन अपने गांव जामकनाली से अमड़ापाड़ा बाजार मजदूरी करने जा रहा था विपरीत दिशा से आ रहे कार ने धक्का मारा, जिससे मजदूर घायल हो गया.

आईसीएस कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर में प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन

पाकुड़। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। आईसीएस कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर पाकुड़िया में रविवार को प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में केंद्र निदेशक समीर आलम एवं उमेश पांडेय ने डीसीए, एडीसीए प्लस एवं एडीसीए कोर्स पूरा करने वाले 50 छात्र छात्राओं के बीच कोर्स का अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया। मौके पर शाखा के निर्देशक समीर आलम और उमेश पाण्डेय ने उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समीर आलम ने बताया कि नए सत्र में नामांकन बिल्कुल मुफ्त लिया जा रहा हैं। वहीं उमेश पांडेय ने कहा कि पाकुड़िया जैसे छोटे जगह पर आईसीएस कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर के सौजन्य से बड़े बड़े शहरों की तरह मिलने वाली कम्प्यूटर शिक्षा सुलभता से मिल रही है, जो इस पिछड़े क्षेत्र में रहने वाले गरीब विद्यार्थियों के लिए सौभाग्य की बात है। पहले यही कम्प्यूटर ज्ञान लेने के लिए बड़े शहरों में मोटी रकम खर्च कर हासिल करनी पड़ती थी, किन अब यह शिक्षा पाकुड़िया में सस्ती सुलभ हो गयी है। आज के इस आधुनिक दुनिया में कम्प्यूटर शिक्षा प्राप्त करना जरूरी हो गया है। चाहें सरकारी नौकरी हो या निजी कम्पनी हो या निजी व्यवसाय हो हर क्षेत्र में कम्प्यूटर ज्ञान आवश्यक है। आज जैसे जीने के लिए भोजन,पानी और वायु की आवश्यकता है उसी तरह रोजगार व नौकरी के लिए कंप्यूटर शिक्षा जरूरी है। कम्प्यूटर कोर्स पूरा करने वाले विद्यार्थियों का भविष्य शत प्रतिशत उज्ज्वल है, इसमें कोई संदेह नही है। मौके पर स्थानीय सभी शाखा के शिक्षकगण एहसान अंसारी, आलोक तिवारी, मृत्युंजय पांडेय, अंजू सोरेन, निशा कुमारी एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

पोषण पखवाड़ा के तहत जागरूकता रैली

पाकुड़। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार से प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में पोषण पखवाड़ा के तहत बाल विकास परियोजना एवं आगनवाड़ी कर्मियों एवं तेजस्वनी कर्मियों द्वारा एनीमिया से बचाव और सावधानी को लेकर जागरूकता रैली गांव गांव में निकली गई। इस दौरान सेविकाओं ने पोषण एवं स्वच्छता के संबंध में लोगों को घर घर गली गली घूमकर जागरूक किया और हाट बाजार के लोगों को रैली, नुक्कड़ सभा के माध्यम से खून की कमी होने से अपने आपको बचाकर रखने की बात कहीं और खान पान में हरी शब्जी, कद्दू , सजना , सजना साग रंग विरंगी शब्जी आदि का सेवन करने की अपील की। वहीं मौके पर उपस्थित तेजस्विनी परियोजना की महिलाओं ने बताया की सभी गांव एवं प्रखंड को कुपोषण से मुक्त करने एवं बच्चों को कुपोषण से बचाव के उद्देशय से पोषण पखवाड़ा के तहत आगनवाड़ी एवं तेजस्विनी कर्मी के द्वारा मिलकर सभी गांवों में पोषण जागरूकता रैली निकाली जा है। जागरूकता रैली सभी चौक चौराहों एवं गलियों में घुमाया जा रहा है ताकि लोग जागरूक रहें। मौके पर कुपोषण से बचाव और स्वच्छता से संबंधित जागरूकता नारा भी लगाया गया। मौके पर तेजस्विनी परियोजना की मामपी दास, प्रेरणा कुमारी, गिनीता सोरेन, मोनिका हंसदा, रुबिया खातून, रिया घोष सहित अनेकों आगनवाड़ी सेविका और तेजस्विनी क्लब की महिला उपस्थित थी।

जेल प्रशासन ने 40 अल्पसंख्यक कैदियों को खानपान की व्यवस्था की

पाकुड़:। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। माहे रमजान महीना को देखते हुए पाकुड़ मंडल कारा में कैद 40 अल्पसंख्यक कैदियों को रमजान के लिए खानपान की व्यवस्था जेल प्रशासन के द्वारा की गई है। मंडल कारा के जेलर ललन भारती ने बताया कि कैदियों के लिए शहरी और इफ्तार करने के लिए जेल प्रशासन के द्वारा व्यवस्था की गई है. दोनों वक्त कैदियों के लिए विशेष खानपान की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि रमजान को देखते हुए कैदियों का खानपान और उन्हें रोजा रखने में कोई परेशानी ना हो इसका भी ध्यान रखा जा रहा है।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

आईएफडब्लूजे की बैठक में स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाने का निर्णय

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। पत्रकारों का राष्ट्रीय संगठन इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (आईएफडब्लूजे) की गिरिडीह जिला इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को सुधा कॉम्प्लेक्स, पचम्बा मिशन में सम्पन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेश कुमार एवं संचालन महासचिव कानन कुमार किस्कू द्वारा किया गया। इस बैठक में अगामी 24 जून को संगठन का गिरिडीह जिले में स्थापना दिवस कार्यक्रम समारोह पूर्वक मनाने का निर्णय लिया गया। वहीं आज की बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा की गई। मौके पर कई नए साथियों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण किया। वहीं कई निष्क्रिय साथियों व संगठन में रह कर अनुशासनहीन गतिविधियों में शामिल रहे सदस्यों को संगठन से निष्काषित किया गया।

बैठक में संगठन का कोष निर्माण पर भी चर्चा किया गया। जिसपर जिला कोषाध्यक्ष विलियम जेकब ने कहा कि कोष बिना किसी भी बड़े कार्य को अंजाम देना असंभव है। यह सुनकर उपस्थित सदस्यों ने मासिक सहयोग राशि एकत्रित करने पर बल दिया। और अप्रैल 2022 माह से इसे चालू करने का निर्णय लिया गया। वहीं मौके पर कई साथियों ने मासिक सहयोग राशि भी जमा किया।

इस दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आईएफडब्लूजे की गिरिडीह जिला इकाई का बैंक खाता स्थानीय राष्ट्रीयकृत बैंक में खुलवाने की सहमति बनी। जिस खाता का संचालन अध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष द्वारा करने का निर्णय लिया गया। वहीं प्रत्येक तीन माह में संगठन की बैठक करने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में उपस्थित संगठन सचिव अजय चौरसिया ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए एकजुटता बहुत जरूरी है। सभी सदस्यों को अपनी जिम्मेवारी समझनी होगी तभी संगठन आगे चल सकता है। क्योंकि संगठन एक की चीज नहीं कई लोगों के समूह को हम संगठन कहते हैं जिसमें सभी की भागीदारी होना अति आवश्यक है।

बैठक में स्थापना दिवस समारोह को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु संगठन की एक बैठक चालू अप्रैल माह के अंत मे करने का निर्णय लिया गया। जिसकी तिथि निर्धारित कर उसे संगठन के व्हाटसअप ग्रुप में डालने की जिम्मेवारी महासचिव को दी गई।

आज की बैठक में गिरिडीह जिले में प्रेस क्लब भवन निर्माण कराने, पत्रकारों को सुरक्षा देने, पत्रकारों का बीमा कराने, गिरिडीह में पत्रकार नगर की स्थापना करने और उस पत्रकार नगर में जिले में दस वर्ष या उससे अधिक समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में जुड़े पत्रकारों को आवास मुहैय्या कराने आदि मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री से मिल उन्हें ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया।

बैठक में जिलाध्यक्ष राजेश कुमार, महासचिव कानन कुमार किस्कू, कोषाध्यक्ष विलियम जैकब, उपाध्यक्ष इरफान अंसारी, अख्तर इमाम, संगठन सचिव अजय चौरसिया, बिनोद रजक, मनीष मण्डल, गम्भीर कुमार, सुजीत कुमार पांडेय, मो असलम अंसारी, बजरंगी महतो, आदित्य पांडेय आदि मौजूद थे

संक्षिप्त समाचार

इनर व्हील क्लब गिरिडीह ने पारसनाथ मधुबन मोड़ में लगाया दिशा निर्देश पोल

गिरिडीह /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। इनर व्हील क्लब गिरिडीह ने जैन तीर्थयात्रियों एवम राहगीरों की सुविधा हेतु पारसनाथ मधुबन मोड़ पर एक दिशा निर्देश पोल लगवाया। इस पोल का अनावरण अंतर्राष्ट्रीय इनर व्हील एडिटर इलेक्ट पास्ट एसोसिएशन प्रेसिडेंट प्रभा रघुनन्दन के द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य यह था कि पारसनाथ से आने वाले राहगीर को स्पष्ट दिशा का ज्ञान हो जाए कि सीधा रास्ता गिरिडीह को जाता है और दाईं ओर का रास्ता मधुबन की ओर जाता है ।साथ ही इस पोल से इनर व्हील की ब्रान्डिग भी होगी।

पोल के अनावरण के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय इनर व्हील एडिटर प्रभा रघुनन्दन, डिस्ट्रिक्ट आई एस ओ रश्मि गुप्ता ,उपाध्यक्ष रेखा तर्वे ,पास्ट प्रेसिडेंट मौसुमि सरकार ,पास्ट प्रेसिडेंट चंचल भदानी और स्मृति गुप्ता उपस्थित थी।

तीन दिवसीय युवा क्रांति बुनियादी परीक्षण शिविर में गिरिडीह के युवाओं ने लिया प्रशिक्षण

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस की रांची में चल रहे तीन दिवसीय युवा क्रांति बुनियादी परीक्षण शिविर में आज तीसरी दिन ट्रेनिंग की समाप्ति हुई। जिसमें मुख्य अतिथि भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्रीनिवास बीवी, अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेरा उपस्तिथ हुए और युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा कि कांग्रेस के विचार धारा को गांव गांव तक युवा कांग्रेस को पहुंचाना है और लोगों की समस्याओं को समाधान करने हेतु हर संभव प्रयास करना है। साथ ही झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज एवं प्रदेश प्रभारी इमरान अली के द्वारा गिरिडीह जिला युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मो हसनैन अली, जिला उपाध्यक्ष शशि शर्मा, गिरिडीह विधान सभा अध्यक्ष मो शहनवाज, जमुआ विधान सभा अध्यक्ष अहमद रजा नूरी, राजधनवार विधानसभा अध्यक्ष प्रमोद राय , बगोदर विधान सभा अध्यक्ष आबिद अंसारी , डुमरी विधान सभा अध्यक्ष गंगाधर महतो को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

धनबाद रेल मंडल में पकड़े गए चार लाख 11 हजार बेटिकट यात्री, रेलवे ने 18 करोड़ 88 लाख रुपये वसूला जुर्माना

धनबाद। भारतीय रेलवे की तमाम कोशिशों के बावजूद ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।धनबाद रेल मंडल में यह कुछ ज्यादा ही है। इस रेल मंडल में वित्तीय वर्ष 2021-22 के मार्च तक चार लाख 11 हजार बेटिकट यात्री पकड़े गए हैं। इन यात्रियों से 18 करोड़ 88 लाख रुपये की वसूली बतौर जुर्माना की गई है। धनबाद रेल मंडल के ग्रेड कोड सेक्शन और सीआइसी सेक्सन अंतर्गत झारखंड, बिहार एवं उत्तरप्रदेश के कई रेलवे स्टेशन आते हैं। धनबाद रेल मंडल के पीआरओ पीके मिश्रा ने बताया कि इस रेल मंडल ने भारतीय रेलवे में नंबर-1 पर अपनी बादशाहत बरकरार रखा है। दक्षिण पूर्व रेलवे के विलासपुर डिवीजन और धनबाद रेल मंडल में नंबर-1 बनने के लिए कांटे की टक्कर थी।

फुटबॉल खेल मैदान बिना कार्य किए बगैर 50 हजार फर्जी निकासी के विरोध में ग्रामीणों ने बीडीओ बीपीओ को दिया आवेदन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

तिसरी/गिरिडीह। दलाल बिचौलिया और रोजगार सेवक के मिली भगत से बिना काम किए बगैर ही 50 हजार रूपये सरकारी राशि निकासी के विरोध में तिसरी प्रखंड के बेलवाना पंचायत अंतर्गत सिरसिया, सालगडीह और खोरो के ग्रामीणों ने तिसरी बीडीओ और बीपीओ को एक लिखित आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग किया है। आवेदन में ग्रामीणों ने कहा है कि तिसरी प्रखंड अंतर्गत बेलवाना पंचायत के सिरसिया में मनरेगा योजना के तहत फुटबॉल खेल मैदान निर्माण हेतु जमीन समतलीकरण की स्वीकृति 021/022 में मिली थी। जिसका योजना कोड 3419010002/एवी एल/7080901173212 है जिसपर अब तक कोई कार्य नहीं हुआ है। योजना स्थल पर बिना कोई कार्य किए ही प्रति मजदूर 1350 कुल 37 मजदूर दिखाकर 49950 रूपये की निकासी कर लिया है। ग्रामीणों ने मामले की पड़ताल कर दलाल बिचौलिया और रोजगार सेवक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग किया है। आवेदन में प्रकाश राय ,प्यारी राय ,भुनेश्वर राय ,सोना राय ,घनशयाम राय , रसमेंन राय ,रामदेव राय ,बासुदेव राय ,भोला राय ,बद्री राय , भीमल राय ,डोमन राय ,हरी राय ,जीतन हेंब्रम , तालों मुर्मु , बिशून मुर्मु ,जागो मुर्मु समेत 23 लोकग्रामीणों के हस्ताक्षर सामिल है।

इस संबंध में तिसरी प्रखंड के मनरेगा बीपीओ राजकुमार हेंब्रम ने बताया ग्रामीणों के द्वारा हस्ताक्षरित आवेदन उन्हे मिला है। दो दिनों के भीतर मामले की जांच कर कार्रवाई हेतु तिसरी बीडीओ को जांच रिपोर्ट सौंपा जाएगा।

कार्य समाप्ति के बाद पोषण सखियों ने बैठक कर बनाई रणनीति, करेंगी आंदोलन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गावां/गिरिडीह। पोषण सखियों ने राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार द्वारा कार्य समाप्ति के बाद प्रखंड स्तर पर बैठक आयोजित की। बैठक में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा काम से हटाए गए पोषण सखी ने आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में शामिल हटाए गए पोषण सखियों रिंकी श्रीवास्तव, पूजा विश्वकर्मा, सरिता सोनी, सिंपी कुमारी, रीना कुमारी, गुड़िया चौधरी आदि ने कहा कि सरकार हम पोषण सखियों से पांच साल काम करवाकर काम से हटा दिया गया। इस परिस्थिति में अब पोषण सखी कहां जाएगी। कहा कि वो अपनी लड़ाई अब खुद लड़ेगी। बैठक में इसकी रणनीति बनाई जा रही है। पिछले दिनों पोषण सखियों ने अपनी मांगो के समर्थन में रांची में धरना दिया था। लेकिन धरना समाप्त करवाकर सरकार ने हटाने का चिट्ठी निकाल दी। पोषण सखी को हटाने के बाद पोषण सखी पर मनो पहाड़ टूट पड़ा है। सरकार के इस निर्णय से पोषण सखी काफी मायूस है। पोषण सखियों ने कहा वो क्षेत्र के संसद से मिलकर पोषण सखी को हटाए जाने के मुद्दे को रखेगी। अगर सरकार ने हटाए गए पोषण सखियों के बारे में कोई विचार नहीं किया तो आगे कोर्ट का दरबाजा भी खटखटाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि अब हम सब मिलकर झारखंड अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के साथ मिलकर आंदोलन को धारदार बनाएंगे। बैठक में निशा भारती, अल्पा कुमारी, बलविंदर पासवान, उपेंद्र स्वर्णकार, अजित शर्मा, अमरदीप निराला समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

रामनवमी व रमजान को लेकर नगर थाना में हुई शांति समिति की बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। रामनवमी,सरहुल व रमजान को देखते हुए रविवार को नगर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक की गई।बैठक की अध्यक्षता सदर अंचल अधिकारी अब्दुस समद ने किया। बैठक में सरकार द्वारा प्राप्त गाइडलाइन के अनुसार उपस्थित समिति के सदस्यों व पूजा समिति के सदस्यों को अवगत कराया गया।शांतिपूर्ण तरीके से पूजा व त्योहार मने इस पर विचार विमर्श की गई। वहीं शहर को साफ सफाई रखने व पेयजल की व्यवस्था के लिए समिति की ओर से नगर परिषद को अवगत कराया गया।अंचलाधिकारी अब्दुल समद ने बताया कि सरकार द्वारा जो दिशा निर्देश प्राप्त हुई है उसका शत-प्रतिशत पालन प्रशासन की मदद से की जाएगी। अंचलाधिकारी ने सभी लोगों से आग्रह किया कि सभी आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण माहौल में पूजा त्योहार मनाएं और सबका सहयोग लें। वहीं मौके पर मौजूद नगर थाना प्रभारी धर्मपाल कुमार ने पूजा त्योहारों में उत्पन्न होने वाले विवादों को बारीकी से समिति के सदस्यों को अवगत कराया।उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य सभी लोगों का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि कुछ शरारती तत्वों के कारण शांति व्यवस्था में बाधा उत्पन्न होती है, ऐसे लोगों को चिन्हित किया जा रहा है यदि समिति की ओर से भी ऐसे लोगों का नाम मिल जाता है तो निश्चित रूप से कानून संगत कार्रवाई होगी। वहीं मौके पर मौजूद नगर परिषद के अध्यक्ष श्रीनिवास यादव ने भी समिति के सदस्यों से आग्रह किया है कि शांतिपूर्ण माहौल में पूजा त्यौहार मनाएं। हर संभव प्रशासन आपकी मदद के लिए तैयार है।वहीं उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि शहर की साफ सफाई की व्यवस्था व पानी की व्यवस्था नगर परिषद की ओर से की जाएगी, इसके लिए पुरी तैयारी कर ली गई है। मौके पर मुख्य रूप से नगर परिषद उपाध्यक्ष रामानंद साह,गणेश प्रसाद तिवारी,रामजी ठाकुर, विनोद यादव,अनवर अली सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

माह ए रमज़ान शुरू, यानी रहमतों वाला महीना

- **मुस्लिम समुदाय के लोग दिन भर भुखा प्यासा रहकर 30 दिन तक रोज़ा रखते हैं**

उधवा/साहिबगंज/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रमज़ान इस्लामी कैलेंडर का 9वाँ महीना है।इसे माह-ए-रमजान यानी रहमतों वाला महीना कहां जाता है। रमज़ान के महिने में दिन में रोजे (व्रत) रखते हैं,रात में तरावीह की नमाज पढ़ते हैं और कुरान का तिलावत करते हैं। इस माह में जकात, सदका, फित्रा, दान, गरीबों की मदद करना जरूरी समझा और माना जाता है। कुल मिलाकर पुण्य कार्य करने को प्राधान्यता दी जाती है। इसलिए इस माह को नेकियों, इबादतों व उपासना का माह माना जाता है। मुस्लिम समुदाय के लोग 30 दिनों तक रोज़ा रखते हैं। सुबह 4 बजे तक कुछ खा लेते हैं जिसे सेहरी कहा जाता है।दिन भर भुखा, प्यासा रहकर पांच वक्त नमाज़ पढ़ते हैं।वहीं सुर्य अस्त होने के बाद इफ्तार किया जाता है।

यंग फ्रेंड्स क्लब के द्वारा लोगों को किया जा रहा है हेल्प

बरहेट/साहिबगंज/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बरहेट संथाली उत्तरी भाग पंचायत के अर्जुन बास्की का पुत्र सम्राट दास (2) वर्षीय को गंभीर बीमारियों की चपेट में रहने की वजह से उसके शरीर में खून बनना बंद हो गया था। चिकित्सकों के अनुसार सम्राट दास को खलेसिमिया नामक बिमारी से ग्रसीत था। ऐसी परिस्थिति में बच्चे के पिता ने रघुनाथगंज मुर्शिदाबाद में इलाज करवाया। इसके उपरांत बेहतर ईलाज हेतु पश्चिम बंगाल स्थित कोलकाता में भी इलाज करवाया जहां इलाजरत डॉक्टरों के अनुसार सम्राट दास (मरीज) के शरीर में खून बनना बंद हो गया है। ऐसी स्थिति में तकरीबन 2 से 3 माह के बीच में खून की आवशयकता पड़ रही थी और मरीज के पिता गरीबी लाचारी के विवशता में जब-जब खून की जरूरत पड़ती थी 12000 से रू 15000 के बीच में खर्च आता था। जिसमें बरहेट तीनमूहानी चौक स्थित यंग फ्रेंड्स क्लब के अध्यक्ष मो० आजाद से संपर्क किया और राहत से संबंध में मदद की मांग की। जिस पर क्लब के अध्यक्ष मो० आजाद ने तत्परता से ब्लड डोनेशन सोसायटी साहिबगंज से संपर्क साध कर इस दिशा में आवशयक पहल करने की सार्थक प्रयास किया गया। यह प्रयास रंग भी लाया और मरीज के पिता को प्रत्येक बार ब्लड की व्यवस्था ब्लड डोनेशन सोसायटी साहिबगंज की ओर से ओ पॉजीटिव ब्लड निःशुल्क व्यवस्था किया गया। इसमें अर्जुन बास्की ने यंग फ्रेंड्स क्लब के अध्यक्ष सहित ब्लड डोनेशन सोसायटी के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि हर बार ब्लड लेने के लिए जो निशुल्क व्यवस्था कराया गया है।

डुमरी में पोषण सखियों की बैठक आयोजित, बर्खास्तगी का किया विरोध

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। डुमरी झारखंड पोषण सखी संघ के बैनर तले रविवार को डुमरी में जिला स्तरीय पोषण सखियों की एक बैठक हुई ।जिसमें पोषण सखी संघ के प्रदेश सचिव प्रमिला कुमारी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। इस दौरान पोषण सखियों ने अपनी बर्खास्तगी को लेकर हेमंत सोरेन सरकार प्रति जमकर नारेबाजी भी की और कहां की जोबा मांझी महिला होकर भी एक महिला की पीड़ा को नहीं जानती है जो सरासर गलत है तथा सरकार को चारों तरफ से घेरने की रणनीति बनाई तथा सम्मान पूर्वक पुणः पोषण सखियों की बहाली का मांग किया। इस दौरान प्रदेश सचिव प्रमिला कुमारी ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार अगर पोषण सखियों की बर्खास्तगी को वापस नहीं लेती है तथा पुनः ससम्मान बहाली नहीं करती है तो जोरदार आंदोलन किया जाएगा तथा जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होगी तब तक सरकार को सड़क से सदन तक घेरने का काम किया जाएगा। तथा सरकार के विरुद्ध वृहद आंदोलन पूरे झारखंड में चलाया जाएगा।

इस दौरान पोषण सखी डोली कुमारी, किरण कुमारी, बिना कुमारी, रुबी कुमारी, निखत परवीन, मनीषा कुमारी, पिंकी कुमारी, लक्ष्मी कुमारी मुर्मू, मालती कुमारी सहित दर्जनों रोशन सखियों की उपस्थिति देखी गई।

बैठक की अध्यक्षता डुमरी प्रखंड पोषण सखी अध्यक्ष रूबी देवी तथा संचालन डोली कुमारी ने किया।

हाजी जमील रोड भण्डारीडीह का रोड अधूरा बनने से आवागमन में हो रहा है दिक्कत-माले

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। शहर के दो मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली रोड हाजी जमील रोड की हालत खराब है, यह रोड पचंम्बा मुख्य मार्ग और बक्सीडीह रोड को जोड़ता है,पिछले 6 महीने से खराब है,सुनने में आया है कि टेंडर भी हो गया है। किन्तु अधूरा काम होकर बंद है। माले नेता राजेश यादव ने कहा कि गिरिडीह में कार्य सुस्त है जबकि नए रोड कई बने है सब पर आवेदन देकर गुणवता की जांच कराई जाएगी।

माले नेता राजेश यादव और माले नेता राजेश सिन्हा जब रोड से गुजर रहे थे तो मुहल्ले वाले ने उन दोनों को रोक कर परेशानी बताई।

श्री सिन्हा ने संबंधित व्यक्ति से बात की उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के अंदर काम शुरू करेंगे। यह सुनकर मुहल्ले वालो को राहत हुई,उस रोड में जे एम एम समर्थित नेता रहते है,पूरे भण्डारीडीह में जे एम एम समर्थित नेता भरे पड़े है,इस बात को जे एम एम के अधिकारी को भी बतानी चाहिए था इस सवाल पर मुहल्ले वासियों ने बताया सब को पता है।

माले के पहल पर जल्द होगा कार्य,संवेदक से माले अपील करता है कि हरेक जगह काम जो हो रहा है उसमें गुणवत्ता भी हो और जल्द से जल्द काम करने की क्षमता हो ताकि आम जनता को परेशानी कम उठानी पड़े।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

झामुमो के विधायक ही अब सरकार का विरोध कर रहे : डॉ लुईस मरांडी

भाजपा जनमुद्दों पर आंदोलन करने की तैयारी में

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखण्ड सरकार की पूर्व मंत्री व भाजपा नेत्री डॉ लुईस मरांडी ने रविवार को अखबार को दूरभाष के माध्यम से हेमंत सरकार पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य में अराजकता की स्थिति है अब यह विपक्ष नहीं बल्कि सत्ताधारी दल के विधायक ही मुखर होकर कह रहे हैं। राजभवन से लेकर आमजन के बीच सरकार की कारगुजारियों की पोल खोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत

सरकार में अगर जरा भी नैतिकता बाकी है तो अविलंब इस्तीफा दे। कहा कि उनके नेतृत्व में दुमका के फूलोझानो चौक पर व्यापक पैमाने पर हो रहे अवैध खनन के कारोबार पर रोक लगाने के लिए पांच दिवसीय सत्याग्रह किया गया था। उस वक्त सरकार ने इसे विपक्ष का स्टंट करार दिया था, लेकिन अब जब झामुमो की विधायक सीता सोरेन ने राजभवन जाकर अवैध खनन के कारोबार का पुलिंदा सौंपा है। इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आगे आकर राज्य की जनता को पूरी सच्चाई बतानी चाहिए।पूर्व मंत्री ने कहा कि झामुमो स्थानीयता के मुद्दे पर झामुमो के विधायक ही अब सरकार का विरोध कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य की जनता को हर मामले में ठगने का काम किया है। राज्य की जनता बिजली, पानी के लिए तरस रही है, लेकिन सरकार मौन है। दुमका में जरूरत के हिसाब से बिजली की आपूर्ति नहीं हो रही है। आमजन इसके लिए गुहार लगा रहे हैं, लेकिन सरकार इस पर चुप है। पूर्व मंत्री ने कहा कि दुमका में छह माह के अंदर दूसरी बार अवैध हथियार बनाने के कारखाने का भंडाफोड़ हुआ है। कोलकाता और पटना की पुलिस यहां आकर इसक भंडाफोड़ कर रही है, लेकिन यहां की पुलिस को नाक के नीचे हो रहे अवैध धंधों की भनक तक नहीं है। कहा कि पुलिस अब विधि-व्यवस्था के संधारण के बजाय अपना हित साधने में जुटी है। पासिंग से लेकर तमाम तरह के अवैध खनन और धंधों में पुलिस की संलिप्तता उजागर हो चुकी है फिर भी सरकार मौन है, लेकिन भाजपा इन मुद्दों पर चुप नहीं बैठने वाली है। एकबार फिर से भाजपा जनमुद्दों पर आंदोलन करने की तैयारी में है।

संक्षिप्त समाचार

जब डॉक्टर ने स्वयं अपना रक्तदान कर महिला की बचाई जान...

● डॉ केके वर्मा द्वारा किया गया 42वें बार रक्तदान

डुमरी। डुमरी गिरिडीह मार्ग पर अवस्थित प्रवीणा नर्सिंग होम के डॉ केके वर्मा ने माहे रमज़ान के पहली रोज़ा से पूर्व एक नेक काम किया है।इस बारे में पूरी जानकारी देते हुए डॉ वर्मा ने बताया कि बीती रात क्षेत्र के रांगामाटी ग्राम निवासी एक महिला की तबियत काफी बिगड़ जाने की स्थिति में उन्हे धनबाद ले जाया गया था। जहां पहुंचकर डॉ वर्मा ने मध्यान करीब 2 बजे उक्त पीड़ित महिला मरीज को अपने जीवन में 42वें बार रक्त दान कर उक्त महिला की जान बचाई।इस संबंध में उन्होंने आगे कहा कि इस साल रोजा से पहले ही उन्होंने एक गरीब असहाय महिला को रक्त दान कर उन्हे गिफ्ट दिया है।

प्रखंड में रमजान के पवित्र महीने की शुरुवात, बाजारों में चहल पहल

बड़कागांव। इस्लाम धर्म के सबसे पवित्र महीने रमजान की शुरुआत शनिवार की शाम को चांद के दीदार के साथ हो गया। रविवार को रमजान का पहला रोजा रखा गया। रमजान

माह को लेकर प्रखंड के मुस्लिम बहुल क्षेत्र में काफी उत्साह देखी जा रही है । बच्चे, बूढ़े, जवान, महिलाएं सभी ने काफी उत्सुकता के साथ पहला रोजा रखा। हालांकि गर्म तेज हवाओं के चलने से रोजेदारों को कुछ परेशानी हुई।इस्लाम धर्म के मान्यताओं के अनुसार रमजान में रोज़े रखने से अल्लाह का रहम बरसता है और वो अपने सभी बन्दों की सारी परेशानियों को खत्म कर उन पर अपनी नेमत बख्शता है। इस्लाम धर्म के मान्यताओं के अनुसार इस महीने में रोज़े के द्वारा अल्लाह कि नेमतों के लिए उनका शुक्र अदा किया जाता है। इसलिए इस महीने को नेकियों और इबादतों का महीना कहा जाता ह। बाज़ारों में अभी से ही सहरी और इफ्तार की खरीददारी की चहल पहल देखी जा सकती है।

आपको बता दें कि रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौंवा महीना होता है। दुनिया भर में मुसलिम समुदाय के लोग इस मौके पर पूरे महीने लोग सुबह से शाम तक उपवास करते हैं फिर शाम को इफ्तार के बाद खास नमाज अदा की जाती है जिसे तरावीह कहा जाता है। इस पवित्र महीने में मुसलमान रोजा रखने के साथ पवित्र कुरान की तिलावत और अल्लाह की ज्यादा से ज्यादा इबादत करते हैं। इस महीने में दुनिया भर के मुसलमान अपने साल भर के कमाई का ढाई प्रतिशत गरीबों में दान करते हैं जिसे जकात कहा जाता है। जकात हर उस व्यक्ति पर अनिवार्य है।

मुसलमानों के लिए यह महीना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि रामजान के महीना में ही अल्लाह तआला ने कुरान ए पाक को नाजिल फरमाया है। रमजान का पूरा महीना तीन हिस्सों में बंटा हुआ है। पहले दस दिन रहमत, ग्यारह से बीसवें दिन बरकत, और अंतिम दस दिन अर्थात इक्कीस के बाद मगफिरत का होता है।

दिनदहाड़े महिला से कर ली 49 हजार की छिनतई....

धनबाद। धनबाद में भागाबांध ओपी क्षेत्र में शनिवार को दिनदहाड़े अज्ञात अपराधियों ने छिनतई की घटना को अंजाम दिया है. बताया जा रहा है कि दो बाइक सवार अपराधी महिला से बैग छीन कर भाग गए. महिला बैंक से पैसे निकालकर घर लौट रही थी. वारदात के संबंध में बताया जा रहा है कि साऊथ बलिहारी के रहने वाले बीसीसीएलकर्मी की पत्नी शिवकुमारी देवी पुटकी बलिहारी स्थित एसबीआई शाखा से रुपये निकाल कर ऑटो से घर लौट रही थी. ऑटो से उतरते समय ही बाइक सवार अपराधी पहुंचे और थैला छीनकर भाग गए.

भुक्तभोगी महिला शिवकुमारी देवी ने बताया कि थैला में 49 हजार रुपये के साथ साथ पासबुक, आधार कार्ड के अलावे अन्य कई जरूरी कागजात थे. भुक्तभोगी महिला शिवकुमारी देवी ने कहा कि उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी. इसके बाद पुलिस पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई.

भागाबांध ओपी प्रभारी राजीव तुरी ने बताया कि घटनास्थल पर जाकर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई. वहां से कुछ दूर पर लगे सीसीटीवी कैमरे को देखा जा रहा है. बताया जा रहा है कि बाइक सवार अपराधी पुटकी की ओर से आए और पैसा झपट कर जामाडोबा की ओर भाग गए.

सी सी एस ने किया निशुल्क 7 दिवसीय पेयजल एवं शरबत वितरण काउंटर का शुभारंभ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। छात्र चेतना संगठन प्रखंड इकाई जामा के द्वारा बारापलासी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ में लंबोदर कुमार एवं प्रेम यादव के नेतृत्व में निशुल्क 7 दिवसीय पेयजल एवं शरबत वितरण का काउंटर छात्र चेतना संगठन के केंद्रीय प्रमुख हिमांशु मिश्रा ने फीता काटकर शुभारंभ किया।भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ के कलश यात्रा (शोभायात्रा) में शामिल सैकड़ो माताओं, बहनों एवं श्रद्धालुओं को केंद्रीय प्रमुख हिमांशु मिश्रा सहित सभी सी सी एस योद्धाओं ने शरबत एवं जल सेवा समर्पित किया. हिमांशु मिश्रा ने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा है, खासकर किसी भी धार्मिक कार्यक्रम में जब कोई व्यक्ति जाता है तो वहाँ सिर्फ साकारात्मक उर्जा का संचार होता है, और ऐसे में श्रद्धालुओं का कि

सी भी प्रकार का सेवा व्यक्ति को सकारात्मकता से लबालब भर देता है. उन्होंने कहा कि ईश्वर और मानवता की सेवा हमें सही दिशा प्रदान करता है और भटकाव से बचाता है. आज के युवा पीढ़ी को इस प्रकार के कार्यक्रम से अपने को जोड़ने की आवश्यकता है. बारापलासी और जामा के योद्धाओं में साकारात्मक उर्जा का भरपूर संचार है, इस क्षेत्र के युवाओं मेंसामाजिक कार्यक्रम हो या खेल कुद हो या फिर पढाई सभी क्षेत्रों में आगे बढने की आपार संभावना है. संगठन के मुख्य रूप से उपस्थित- बंधन सिंह,बमबम पंडा,विजय मांझी, बिंदयाल दास, विजय मुशुप, बाबूधन यादव,रंजीत यादव, उमेश मांझी, विवेक यादव, युवराज कुमार,सौरव यादव,करण यादव, धर्मेंद्र लायक, राजकुमार मांझी, डबलू यादव,जितेंद्र माल, बबलू यादव, कुंदन मुशूप,संदीप यादव, कुमोद ततवा, कुंदन कुमार, राहुल यादव,संजीव यादव,बजरंग कोटवार, ललन कोटवार, राकेश कुमार, मिर्तुंजय कुमार, अर्जुन कुमार, नितेश लायक, मिथुन सिंह, संगम कुमार आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राशन समस्या को लेकर ग्रामीणों ने किया बैठक, कई वर्षों से नहीं मिला राशन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। ज़िला के मसलिया प्रखंड के गांव जंजलकठिया ,पंचायत कुजबोन में राशन समस्या को लेकर कोड़ोलिया,बाजारमारा,कुमिरदाह ।,बासकुठिया,जंजलकठिया,नावा डीह के राशन कार्ड धरियो दुवारा बैठक किया गया।जिसका अध्यक्षता महादेव सोरेन ने किया।इन सभी गांवो का राशन दुकान बनकाठी गांव पड़ता है।दुकानदार व डीलर का नाम चिंतामिनी मरांडी है।कार्ड धारियों का कहना है कि डीलर राशन देने के बाद पर्ची नही देता है,बार बार आग्रह करने के बाद भी नही दे रही है।जबकि मशीन में फिगर ले रही है।समय मे अनाज वितरण भी नही कर रही है।कभी कभी एक महीने बाद भी देती है।कोविड अनाज जो फ्री मिलता है,वह भी सभी को नही देती है।कुछ कार्डधारियों का कार्ड रहते हुए भी कई वर्षों से राशन नही

मिल रहा है।डीलर का कहना है कि नाम कट गया है।कुमिरदाहा गांव की मलोती मुर्मू का कहना है कि कार्ड रहते हुए भी मुझे 6 वर्षो से राशन नही दिया जा रहा है।कोड़ोलिया गांव के रासमुनि टुडू का भी कहना है कि राशन कार्ड रहते हुए भी उसे 5 वर्षो से राशन नही दिया जा रहा है।बासकुठिया गांव के मखुदी मुर्मू का भी कहना है कि उसे 5 वर्षो से राशन नही दिया जा रहा है।डीलर से बार बार आग्रह करने के बाद भी समस्या का समाधान नही हो रहा है इसलिये ग्रामीणों ने निर्णय लिया है कि मसलिया प्रखंड में जाकर प्रखंड विकास पदाधिकारी और एम ओ को लिखित शिकायत करेगे।इस अवसर में मनोज किस्कु,रोहन हेम्ब्रम,लोगोन हांसदा,चुनु सोरेन,मोनू सोरेन,बबलू सोरेन,संदीप मुर्मू,कालेश्वर सोरेन,संजीत सोरेन, अनूप हेम्ब्रम,गोविंद चौड़े आदि के साथ काफी संख्या में महिला और पुरुष उपस्थित थे।

विधायक लोबिन हेंब्रम के आहुत रैली पर पुलिस की चप्पे-चप्पे पर नजर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। बोरियों के झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम की आहूति रैली को देखते हुए पुलिस की हर चप्पे-चप्पे पर नजर है।1932 के खतियान पर आधारित स्थाई नीति समेत अन्य मुद्दों को लेकर आहुत रैली को लेकर पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है।सड़क पर गुजरने वाले हर एक वाहन पर पुलिस की नजर बनी हुई है।रैली का आयोजन बोरियो के शिबू सोरेन जनजातीय कॉलेज के स्टेडियम में रविवार को दोपहर

एक बजे से की गई थी।रैली को लेकर आसपास के गांव में व्यापक जनसम्पर्क अभियान चलाया गया है। जबकि कोविड गाइल लाइन को लेकर जिला प्रशासन ने रैली आयोजन की स्वीकृति नहीं दी है। विधायक के समर्थक हरहाल में रैली को करने में अमादा थे।इसके लिए विशाल मंच व पंडाल बनाया गया था।वहीं एहतियात के तौर पर बोरियो के कदमा के पास सदर एसडीपीओ राजेंद्र दुबे के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। इसबीच रैली में शामिल होने के लिए आदिवासियों का जत्था परम्परागत हथियार से लैस होकर रैली स्थल की ओर जा रहे थे।जबकि तालझारी थाना के रक्सी स्थान के पास भी पुलिस द्वारा कैम्प लगाकर हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही थी।बड़े संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग तीन चक्का व चार चक्का वाहनों से जाते देखा गया।मौके पर राजमहल के पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन सहित अतिरिक्त पुलिस बल मौजूद थे।

रोजा व नवरात्र में फल की दुकानों में लगी भीड़

साहिबगंज/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शनिवार को रमजान महीने का चांद देखने के साथ रविवार से रोजा शुरू हो गया। रोजा शुरू होते ही रविवार को साहिबगंज बाजारों में चहल-पहल देखी जा रही है। दोपहर बाद शहर के स्टेशन से लेकर नगर पालिका सड़क किनारे फल की दुकानों में देर शाम तक भीड़ लगी रही। हालांकि बाजारों में सेब रू 200 तक, केला रू 50 प्रति दर्जन तक, अनार रू 150 तक,अंगूर एक रू 100 तक महंगे बिकने के कारण विशेषकर मुस्लिम समुदाय के रिक्शा चालक, मजदूर गरीब तबके के लोगों को रोजा खोलने के लिए इफ्तार के लिए फल खरीदने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पुराना संक्रमण के कारण पिछले दो वर्षों के बाद इस वर्ष रमजान महीने में खासा उत्साह देखी जा रही है।

कांग्रेस ने सदस्यता अभियान को लेकर जूम एप के माध्यम से की बैठक

साहिबगंज/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। कांग्रेस की सदस्यता अभियान को लेकर जूम एप्प के माध्यम से रविवार को समीक्षात्मक बैठक की गई।जिसमें एआइसीसी दिल्ली से प्रतिनियुक्त एपीआरओ भावेश चौधरी विशेष रूप से शामिल हुए।एपीआरओ ने जूम एप्प में शामिल जिला अध्यक्ष अनुकूल मिश्रा,सदस्यता प्रभारी राजेश रंजन, जिला सचिव सर×फराज़ आलम, नित्यानंद गुप्ता एवं प्रखण्ड अध्यक्षों से सदस्यता अभियान के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली।भावेश चौधरी ने सदस्यता अभियान में गति लाने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि जो भी सदस्यता फॉर्म लिए हैं वह फार्म भरकर पूर्ण विवरण के साथ कार्यालय में जमा कर दें। उन्होंने पंचायत स्तर पर नए चीफ इनरोलर का नाम भेजने का निर्देश दिया जिसे वो तुरन्त अप्रूव करके डिजिटल मेम्बरशिप में गति देने का काम करेंगे।जिला अध्यक्ष अनुकूल मिश्रा ने एपीआरओ भावेश चौधरी को अपने सदस्यता अभियान के लक्ष्य को हर हाल में पूरा करेंगे।भावेश चौधरी ने कहा कि सदस्यता अभियान लेकर हर तरह की सहयोग करने के लिए तत्पर हैं।

दुष्कर्म व मारपीट के अलग-अलग मामले में 9 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

उधवा। राधानगर थाना पुलिस ने रविवार को दो अलग-अलग दुष्कर्म व मारपीट मामले को लेकर नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के दक्षिण बेगमगंज पंचायत अंतर्गत मीरनगर गांव की एक विवाहिता महिला ने राजमहल व्यवहार न्यायालय में पीसीआर दायर किया है। जिसमें बताया है कि गांव के ही दिजेन मंडल, बादल मंडल,राजेश मंडल तथा छाया देवी एकजुट होकर घर में घुसकर छेड़खानी व मारपीट करने का आरोप लगाया है। जबकि दूसरी घटना को लेकर उत्तरी बेगमगंज पंचायत अंतर्गत गोबरगाड़ी गांव की एक विवाहिता महिला ने राजमहल व्यवहार न्यायालय में परिवाद दायर किया है। जिसमें बताया है कि गांव के ही राजू मंडल,सूरज मंडल,लखन मंडल,तूफानी मंडल तथा मुन्ना मंडल एकजुट होकर घर में घुसकर छेड़खानी व दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। राधानगर पुलिस ने पीसीआर के आधार पर केस दर्ज किया हैं। फिलहाल राधानगर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई हैं।

सरहुल के 'हुल' की मनोवैज्ञानिक सार्थकता

डॉ विनोद कुमार शर्मा, दुमका

झारखण्ड देखो डेस्क।

सरहुल पर्व आदिवासी समुदाय का एक ऐसा पर्व है जो कई मायने में महत्वपूर्ण समझा जाता है। यूं तो हर पर्व का अपना एक इतिहास होता है। सार्थक उद्देश्य होता है। विशिष्ट कारण होता है। पीछे तर्क होता है। जुड़ी भावनाएं होती है। वैसी मान्यताएं होती है। सरहुल इन्ही भावनाओं से युक्त आदिवासी समाज का एक ऐसा प्रकृतिजनित पर्व है जो एक ओर पोषण यानी जीविका की बाते करता है। सबके कल्याण व सुख - संसाधन की बाते करता है तो वही दूसरी तरह ' हुल ' नई विचारों की शुरुआत की आवाजे भी लगाता है। नए विचारों की क्रांति लाता है तो विकास के अनेकों माध्यमों की शुरुआत की सार्थकता को दर्शाता है।

सरहुल दो शब्दों अर्थात 'सर ' और 'हुल ' से बना है जहां ' सर ' से तात्पर्य या संबंध साल वृक्ष यानि सखुआ पेड़ के फल - फूल से है। प्रकृति से है। जीविका से है। जीवन अस्तित्व से है। जिसके आलोक में कहे तो मनोवैज्ञानिक अब्राहम मैसलो की उस आवश्यकता - पदानुक्रम सिद्धांत के प्रथम पायदान के शारीरिक आवश्यकता से जा जुड़ती है जहां व्यक्ति अपनी पहली व आवश्यक जरूरतों को सुनिश्चित करना जीवन का प्रथम लक्ष्य समझता है। तो वही गुणात्मक व विकासात्मक जीवनयापन के लिए , ऊपर के अंतिम लक्ष्य आत्मसिद्धीकरण को पाने के लिए हुल की अनिवार्यता बढ़ जाती है।

' हुल ' अर्थात विचारों की क्रांति का प्रतीक है जिसमे विकास के असंख्य बीज छुपे होते है। हुल शब्द की व्यापकता का मनोविज्ञान विस्तृत है। यह न केवल बदलाव या परिवर्त्तन के परिधि में सिमटा है , संघर्ष या विरोध की बातें बताता है बल्कि मानकों के विरुद्ध घटने वाले सभी व्यवहारों के विरुद्ध आवाजें बुलंद करने को भी कहता है। अन्याय, शोषण, अत्याचार, के साथ - साथ हर गलत आचरणों के विरुद्ध आवाज उठाने को अभिप्रेरित भी करता है। इस प्रकार सरहुल दो विचारों या दो भावनाओं से संयुक्त वैसा एकात्म पर्व का मनोविज्ञान है जहां आदिवासी समाज इस पर्व की संवेदना को जहां 'नव वर्ष ' प्रत्येक वर्ष चैत्र शुक्ल के तृतीय पक्ष अर्थात अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह या मार्च के अंतिम सप्ताह में जब गेहूं यानि रबी फसल की कटाई होती है के मौके पर खुश होकर नाचते गाते है। उत्सव मनाते है। जहां सफेद कुर्ते के साथ लाल पगड़ी लिए होते है। जहां सदा वस्त्र इसकी सादगी व शालीनता का मनोवैज्ञानिक परिचय देता है तो वही लाल विचारों की क्रांति का। सामूहिक रूप से नृत्य कर जहां वो एकल संस्कृति की भावना का परिचय देते है तो वहीं अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए प्रकृति पर अपनी निर्भरता भी साबित करते है। प्रकृति की रक्षा का वचन दुहराते है । सतत विकास की परिकल्पना को स्मरण कराते है। इस पर्व में ये एक लोकोक्ति भी प्रचलन में है - ₹ नाची से बांची ₹ अर्थात जो नाचेगा वही बचेगा। यानि सरहुल पर्व ने आनंद के बहाने स्वस्थ्य व दीर्घायु बने रहने की परिकल्पना को भी उतना ही अधिक महत्व करार देता है। यानि सरहुल पर्व से भोजन, स्वास्थ्य व उन्नत विचारों के साथ जीवन जीने की सीखे मिलती है। और जिसके उपेक्षा व नुकसान से न केवल प्रकृति देवता रुष्ट होकर विनाशकारी प्रभाव दिखाते है बल्कि समाज में अशांति व असुरक्षा भी बढ़ता है। अतः ऐसा न हो इसलिए इस पर्व की महत्ता सबसे अधिक मानी जाती है।

सरहुल जिसे संथाल आदिवासी समाज ' बा पर्व ' के नाम से जानते है को मनोवैज्ञानिक व्यवहारिक विश्लेषण करे तो इस बात की स्पष्टता दृष्टिगोचर होती है की आदिवासी समाज शांति प्रिय व पवित्र हृदय भाव रखने वाले होते है बल्कि पशुओं को भी उतने ही सम्मान देते है जिसके सहयोग से साल भर की फसल की पैदावार करते है। इस बहाने बोली, खान -पान, रहन - सहन के तौर तरीके के साथ पहनावे - ओठावे की एक अलग संस्कृति विकसित की। समाज में अलग पहचान बनाई। खास किस्म के व्यक्तित्व का निर्माण किया। वैसी जीवन शैली विकसित की जिसके परिधि में समस्त आदिवासी स्वभाव विचरण करता है।

सरहुल पर्व इस बात को दर्शाता है कि प्रकृति जीवों के अस्तित्व का कारण है जिसका रक्षा व संरक्षण होने से ही वर्षों जीवन जीने को परिकल्पना को यथार्थ साबित किया जा सकेगा।

मगर यह कहना कि केवल प्रकृति पर निर्भरता साबित कर जीवन जिया सकता है बात एकपक्षीय होगा। संकीर्ण होगा। कहने का तात्पर्य यह है की जीवन को तार्किक , सफल, प्रभावी सार्थक व स्थाई बनाने के लिए आगे का विकास जरूरी है। जहां हर विकास के पीछे क्रांति होता है। यानि जीवन पशु जैसा अर्थात व्यक्तिगत स्वार्थ सीमाओं से बंधा न रहे जरूरी है एक सभ्य व विकसित प्राणी का परिचय दे। तभी सही मायने में जीवन की सार्थकता सिद्ध मानी जायेगी। जो यह पर्व दुनिया को एक सीख देती है जिसे मनोवैज्ञानिको ने आवश्यकता के दो भागों - जैविक व सामाजिक या अर्जित आवश्यकता में बांटक र जीवन लक्ष्य को समझाने का प्रयास किया है।

आज की तारीख में भले यह सरहुल पर्व मध्य प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, के आदिवासियों के लिए लोकप्रिय पर्व हो मगर इस पर्व के संदेशों से शायद ही कोई अछूता हो। इस पर्व ने पूरे विश्व को न केवल प्रकृति की महत्ता को बतलाया है, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, एसिड वर्षा, अकाल, बाढ़ भूखमरी आदि विनाशक प्रभावों के प्रति सचेत करता है बल्कि इसको प्राकृतिक वनस्पतियों व संसाधनों का दोहन न हो इस बात से भी खबरदार करता है। साथ ही इसके विरोध में हुल की अनिवार्यता को भी दर्शाता है। हुल व्यक्ति विशेष को न केवल अपने हक व अधिकार के लिए बोलना व लड़ना सिखाता है बल्कि प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने का मार्ग भी प्रशस्त करता है। आज का समाज तर्क व विज्ञान प्रधान हो चला है जहां वो बात - बात पे चीजों को व्यवहारिक , वैज्ञानिक व पारदर्शी बनाने के वास्ते वस्तुनिष्ठता व पुनरावृत्ति मांग करता है तो वही नई आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नए अन्वेषण व क्रांति की मांग करता है। ये क्रांति इसी भावनात्मक व विचारत्मक हलचलों को प्रस्फुटन है जो हुल के रूप उदित होता है। सामाजिक विकास व परिवर्तन हो और चाहे राजनीतिक परिवर्तन हुल जीवन एक हिस्सा बन गया है। यूं कहे जीवन के हर कदम पर हुल की आवश्यकता आ पड़ी है। बस हुल का उद्देश्य रचनात्मक व सकारात्मक की पूर्ति तक सीमित रहे। हुल सभी प्रकार के विचलनों के लिए हो जिससे प्रकृति के साथ साथ मानव समुदाय की भी रक्षा सुनिश्चित रहे। ऐसे नही हो की हुल की बागडोर मृत्यु मूलप्रवृत्तियो के हाथो पड़कर अपना सार्थकता को नष्ट कर दे। ऐसे नकारात्मक मानसिक प्रवृत्तियों की छाया से कोसो दूर रहकर सरहुल की सार्थकता को बरकरार रखा जा सकेगा।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

भारत का रुख

भारत ने रूस से फौरन युद्ध खत्म करने की अपील कर अपना रुख साफ कर दिया है। शुक्रवार को दिल्ली में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ कहा कि युद्ध अब बंद होना चाहिए और शांति के प्रयासों में रूस जो भी मदद चाहेगा, भारत उसमें अपना योगदान देगा। रूसी विदेश मंत्री लावरोव ऐसे वक्त में भारत आए हैं जब यूक्रेन पर रूस के हमले जारी हैं और युद्ध रोकने के लिए तुर्की में शांति वार्ता के दौर भी चल रहे हैं। लावरोव की भारत यात्रा ज्यादा महत्वपूर्ण इसलिए भी मानी जा रही है कि गुरुवार को अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह और ब्रिटेन की विदेश मंत्री एलिजाबेथ ट्रुस ने भी नई दिल्ली पहुंच कर विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी और भारत पर रूस के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करने का दबाव बनाया था। पर लावरोव की यात्रा से यह तो साफ हो गया है कि भारत के साथ रिश्तों को लेकर रूस आज भी पहले जितना ही आश्वस्त है। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भारत ने अब तक तटस्थता की नीति अपनाई है। इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी रूस के खिलाफ प्रस्तावों पर मतदान में भी भारत ने हिस्सा नहीं लिया। जाहिर है, रूस इसके अर्थ को समझ रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और पश्चिमी देश भारत पर लगातार दबाव बना रहे हैं कि वह उनके खेमे में आ जाए और रूस के खिलाफ आवाज उठाए। अमेरिका तो कई मौकों पर भारत के रुख को लेकर नाराजगी भी जता चुका है। वह भारत पर लगातार दबाव बना रहा है कि वह रूस से कच्चा तेल न खरीदे और हथियारों के सौदे न करे। रूस से एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने को लेकर तो अमेरिका पहले से ही खिसियाया हुआ है। अमेरिका ने तो यहां तक धमकी दी है कि वह रूस पर पाबंदी के बाद उन देशों पर भी प्रतिबंध लगा सकता है जो रूस के साथ व्यापार कर उसका सहयोग करेंगे। भारत पर दबाव बनाने के इरादे से ही पिछले दिनों जापान के प्रधानमंत्री भी भारत आए थे।

उसके बाद आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने भी अपने भारतीय समकक्ष के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए शिखर बैठक की थी। पर भारत ने अपने रुख और तटस्थता की नीति पर कायम रहते हुए अमेरिका सहित पश्चिमी देशों को एक बड़ा संदेश तो दे ही दिया है कि वह किसी के दबाव में आने वाला नहीं है। उसके लिए उसका राष्ट्रहित सर्वोपरि है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक राजनीति में भारत का कद बढ़ा है। चाहे रूस का खेमा हो या अमेरिका का, सब समझ रहे हैं कि भारत को अब दबाया नहीं जा सकता। और आखिर भारत को किसी के आगे झुकना भी क्यों चाहिए! वह चाहे जिससे तेल खरीदे या हथियार खरीदे, यह उसकी स्वतंत्र नीति और उसका अधिकार है।

अमेरिका और ब्रिटेन के नेताओं को भारत ने यही स्पष्ट संदेश दिया है। बल्कि भारत ने तो आईना दिखाते हुए यह भी बता दिया कि रूस से तीस फीसद ईंधन तो यूरोप के देश ही खरीद रहे हैं। तो फिर भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने के लिए दबाव क्यों बनाया जा रहा है? भले रूस भारत को सस्ती दरों पर कच्चा तेल देने को तैयार है, पर यूक्रेन युद्ध के मसले भारत ने कोई ढुलमुल रवैया नहीं दिखाया, बल्कि स्पष्ट कहा कि रूस अब युद्ध रोके।

पाकिस्तानी सेना को आशंका, चीन की गोद में बैठने के चलते कहीं पाक का अंजाम श्रीलंका जैसा न हो जाए

अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने आइएसआइ के पूर्व मुखिया हामिद गुल की अंगुली पकड़कर अपनी राजनीतिक यात्रा आरंभ की थी। इमरान को राजनीति में लाने वाले गुल वही शख्स थे, जिन्होंने तालिबान को भी खड़ा किया था। आज जो पाकिस्तानी सेना इमरान की राजनीतिक बलि लेना चाहती है, उसी ने साढ़े तीन साल पहले छल-बल से उनकी सरकार बनवाई थी। इसी कारण समय-समय पर इमरान सेना के साथ अपने बेहतरीन रिश्तों का दम भरते रहे, पर एकाएक सब बदल गया और अब स्थिति यह है कि इमरान के हाथ से सत्ता की लगाम छूटने वाली है।

कुछ दिन पहले ही इमरान खान ने भारतीय विदेश नीति की तारीफ के पुल बांधे और भारतीय सेना को भ्रष्टाचार मुक्त बताया था। इससे वह इशारों में ही सही, लेकिन भारतीय सेना की तुलना पाकिस्तानी फौज से कर गए और एक तरह से अपनी फौज को भ्रष्टाचार में डूबा बता गए। इमरान खान ने यह सब तब बोला जब उनकी सरकार अपने सांसदों की घटती संख्या के चलते गंभीर संकट में घिरी हुई थी। इमरान अपनी फौज को नीचा दिखाने के लिए यह सब इसलिए बोल रहे थे, क्योंकि उन्हें समझ आ गया था कि वह अब उन्हें सत्ता से चलता करना चाहती है। जाहिर है कि भारतीय सेना से अपनी ऐसी तुलना पाकिस्तानी सेना को नागवार गुजरी। इसके बाद घटनाक्रम तेजी से बदला। नवाज शरीफ को भ्रष्टाचार के मामलों में क्लीन चिट मिल गई। इमरान खान की सरकार का एक और घटक एमक्यूएम पाला बदलकर विपक्ष के साथ हो लिया। यह सब दिखाता है कि पाकिस्तानी तंत्र पर सेना की कितनी मजबूत पकड़ है। शायद अब पाकिस्तानी सेना ने नवाज शरीफ परिवार को कुर्सी पर बैठाने की ठानी है। यह वही नवाज शरीफ हैं, जिनका अतीत में फौज से छत्तीस का आंकड़ा रहा है। नवाज शरीफ के छोटे भाई शाहबाज शरीफ अब जनरल बाजवा की तारीफ में यह कह रहे हैं कि जनरल साहब ने उनसे कहा है कि नवाज शरीफ की सरकारों में पाक फौज को बहुत सम्मान और संसाधन मिलते रहे।

इमरान खान के सेना से खराब हुए रिश्तों की कहानी पाकिस्तानी फौज की आंतरिक राजनीति और उसके विकसित होते वैश्विक नजरिये के बारे में कई महत्वपूर्ण संकेत देती है। सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा से इमरान के रिश्ते तब खराब हुए, जब पिछले साल उन्होंने अपने चहेते आइएसआइ प्रमुख फैज हमीद को हटाकर बाजवा की पसंद नदीम अंजुम को नया आइएसआइ मुखिया बनाने में आनाकानी की। कहते हैं कि बाजवा को हमीद का काबुल पर तालिबानी कब्जे के बाद वहां जाना और सार्वजनिक तौर पर दिखना पसंद नहीं आया। विपक्षी दल हमीद को इमरान का आदमी बताते आए थे। उन पर इमरान की सरकार बनवाने से लेकर विपक्षी नेताओं को धमकाने के आरोप थे। ऐसे में जब तालिबान का कब्जा होते ही हमीद काबुल में प्रकट हुए और सिराजुद्दीन हक्कानी को गृहमंत्री बनवा दिया तो पाकिस्तान में यह संदेश गया कि मुल्क की अफगानिस्तान नीति इमरान चला रहे हैं और तालिबान को जो सफलता मिली, वह बाजवा के नेतृत्व में नहीं, बल्कि इमरान और हमीद ने दिलवाई।

बाजवा को आइएसआइ के मुखिया की तालिबान से सार्वजनिक निकटता इसलिए भी रास नहीं आई, क्योंकि इससे अमेरिका चिढ़ सकता था। ऐसा हुआ भी। बाजवा चाहते हैं कि अमेरिका से 20 साल के छद्म युद्ध के बाद मिली सामरिक गहराई को समग्रता में सहेजा जाए। इसीलिए पाकिस्तानी फौज कश्मीर को लेकर भी काफी हद तक शांत है। वह पाकिस्तान के पूरी तरह चीन के पाले में जाने को लेकर भी सशंकित और असहज है। इसका कारण चीन का हर कर्ज का पूरा हिसाब-किताब मांगना, ग्वादर और सीपैक जैसी परियोजनाओं में पाकिस्तानी हितों को दरकिनार कर चीनी हितों को सर्वोपरि रखना, घटिया सैन्य साजोसामान भेजना और चीन में मुसलमानों पर बढ़ते अत्याचार हैं।

इमरान को राजनीति में लाने वाले गुल वही शख्स थे, जिन्होंने तालिबान को भी खड़ा किया था। आज जो पाकिस्तानी सेना इमरान की राजनीतिक बलि लेना चाहती है, उसी ने साढ़े तीन साल पहले छल-बल से उनकी सरकार बनवाई थी।

वहीं खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बीच सेना को लग रहा है कि पूरी तरह चीन की गोद में बैठने के चलते कहीं पाकिस्तान का अंजाम भी श्रीलंका जैसा न हो जाए। पाकिस्तान जितना चीन की ओर झुका जा रहा है, उतना ही चीन को लेकर सामरिक संतुलन बनाने के लिए अमेरिका भारत पर निर्भर होता जा रहा है, जो पाकिस्तानी सेना के लिए चिंताजनक है। यही कारण है कि जब चीनी सेना पूर्वी लद्दाख में भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती पेश कर रही थी, तब पाकिस्तानी सेना ने भारत के साथ संघर्षविराम किया, ताकि अमेरिका को यह संदेश दिया जा सके कि पाकिस्तान चीन के साथ सैन्य जुगलबंदी कर भारत के लिए दो मोर्चों पर युद्ध का खतरा उत्पन्न कर हिंद प्रशांत क्षेत्र का सामरिक संतुलन बिगाड़ने की हद तक नहीं जाना चाहता।

बाजवा यह भी चाहते थे कि इमरान खान अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन द्वारा आयोजित डेमोक्रेसी समिट में जाएं, मगर चीन को खुश रखने के लिए इमरान ने ऐसा नहीं किया। जबकि तमाम देशों द्वारा बहिष्कृत बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक में चले गए। जब बाजवा यूक्रेन का दौरा कर जेलेंस्की सरकार से टी-84 टैंकों के सौदे पर आगे बढ़कर चीनी वीटी-4 टैंकों को नकारने की योजना बना रहे थे, तब इमरान मास्को पहुंच गए और वह भी यूक्रेन पर रूसी हमले के कुछ घंटों पहले। पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में रूस को लेकर मतदान से भी अनुपस्थित रहा। ध्यान रहे कि रूस पाकिस्तान को टी- 90 टैंक देने से मना कर चुका था। वहीं अमेरिकी कठपुतली जेलेंस्की अगर टी-84 टैंक देने को तैयार थे तो यह अमेरिका की मौन सहमति के बिना संभव नहीं था।

अगर इमरान सत्ता से बाहर हुए, जिसके प्रबल आसार दिख रहे हैं, तो नई सरकार सेना की मंशा के अनुरूप अमेरिका और चीन से रिश्तों में संतुलन बनाती दिखेगी। वह यूक्रेन को लेकर भारत के रवैये पर अमेरिकी असंतोष को भुनाने का भी प्रयास कर सकती है। जो भी हो, भारत को इस घटनाक्रम पर गहनता से नजर रखनी होगी।

पाकिस्तान में सत्ता में कोई रहे, उसे अपनी सेना के हिसाब से ही चलना होगा

पाकिस्तान में तेजी से बदलतीं राजनीतिक परिस्थितियां यही संकेत कर रही हैं कि प्रधानमंत्री इमरान खान को किसी भी समय सत्ता से बाहर होना पड़ सकता है। इसका कारण केवल यह नहीं कि उनके सहयोगी एक-एक कर उनका साथ छोड़ते जा रहे हैं, बल्कि यह भी है कि उस सेना ने उनकी मदद करने से इन्कार कर दिया, जो उन्हें छल-बल से सत्ता में लाई थी। इमरान खान सत्ता में बने रहें या फिर उससे हाथ धो बैठें, पाकिस्तान जिन कठिन हालात से दो-चार है, उनमें सुधार आने के आसार कम ही हैं।

इसलिए कम हैं, क्योंकि पाकिस्तान ने एक ओर जहां खुद को चीन के उपनिवेश में तब्दील कर लिया है, वहीं अपनी समस्त समस्याओं के लिए पश्चिम को दोष देने में लगा हुआ है। इसी कारण पश्चिमी देश और यहां तक कि अरब जगत भी उससे दूरी बनाए हुए है। आर्थिक बदहाली से बुरी तरह ग्रस्त होने के बाद भी पाकिस्तान न तो तालिबान की पैरवी करने से बाज आ रहा है और न ही किस्म-किस्म के आतंकी संगठनों को पालने-पोसने से। पाकिस्तान में सत्ता में कोई रहे, उसे अपनी सेना के हिसाब से ही चलना होगा। जो ऐसा नहीं करेगा, उसका वही हश्र होगा, जो आसिफ जरदारी और नवाज शरीफ का हुआ या फिर इमरान खान का होने जा रहा है।

भले ही पाकिस्तानी सेना का इमरान खान से मोहभंग हो गया हो, लेकिन हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि वह भारत के खिलाफ न केवल आग उगलते रहे, बल्कि कश्मीर मसले को तूल भी देते रहे। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि यह सब पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी के सहयोग-समर्थन से ही किया जा रहा था। वास्तव में इसी कारण भारत को सतर्क रहना होगा। इसकी आशंका है कि पाकिस्तान नए सिरे से कश्मीर को अशांत करने की कोशिश कर सकता है।

यह ठीक है कि एक अर्से से सीमा पर संघर्षविराम कायम है, लेकिन पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन न केवल कश्मीर के माहौल को बिगाड़ने की फिराक में हैं, बल्कि अपने हथियारबंद दस्तों की घुसपैठ कराने की भी कोशिश करते रहते हैं। एक ऐसे समय जब कश्मीर के हालात तेजी से सुधर रहे हैं और वहां के लोग पाकिस्तान के शैतानी इरादों को समझने लगे हैं, तब भारत को कहीं अधिक सावधान रहना होगा।

इसी के साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कश्मीर में हस्तक्षेप न करने पाए।

नवसंवत्सर हमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक थाती से परिचित कराने और उसे सहेजने देता है अवसर

नातन धर्म के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से भारतीय नवसंवत्सर का आरंभ होता है। इसके स्वागत में हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि यह हमें हमारी संस्कृति से परिचित कराने और उसकी महत्ता रेखांकित करने का भी अवसर उपलब्ध कराता है। इसी दिन को ब्रम्हांड की उत्पत्ति का दिन भी माना जाता है। सृष्टि की उत्पत्ति के प्रथम दिन से ही भारतीय संस्कृति में नववर्ष मनाने की परंपरा है। यह नववर्ष विश्व समाज में मनाए जाने वाले भिन्न-भिन्न प्रकार के नए वर्षो से अलग है। यह स्वयं में आध्यात्मिक रहस्य भी समेटे हुए है। भारतीय नवसंवत्सर रात भर जागकर नाचने-गाने का अवसर नहीं है। वास्तव में यह उत्सव प्रकृति के साथ एक समन्वय स्थापित कर वर्ष भर के लिए निर्बाध जीवन की कामना है। यह अवसर प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों से तादात्म्य बैठाने के साथ-साथ उनके अनुरूप स्वयं को ढालने का संदेश देता है। इसीलिए यह संकल्प लेने और साधना करने का दिन है।

संकल्प और साधना के लिए ही नवरात्र का प्रविधान किया गया है। सृष्टि के साथ अपना एक अव्यक्त सा रेशमी नाता अनुभव करने का भाव हर मन में भर जाता है इस दिन। सूरज की स्वर्णिम किरणों सभी को स्नेह से सहलाते हुए मानो जीवन के उस अबूझ रहस्य को समझने का संकेत करती हैं, जिसके लिए हम पृथ्वी पर आए हैं। धरती से लेकर आकाश तक फैला मौन उस असीम अबूझ का भेद खोलने लगता है। भोगमय जीवन से अलग हटकर उसके वास्तविक मर्म को जानने का पर्व बन जाता है यह उत्सव। जीवन की परिपूर्णता पर बल देने के कारण नवसंवत्सर धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जैसे पुरुषार्थो को भी सिद्ध करने का अवसर बन जाता है। शिव के एकात्म अस्तित्व का बोध कराने वाला पड़ाव है हमारा नवसंवत्सर।

इस दौरान पूरी सृष्टि में एक अलग सा स्पंदन महसूस करने लगता है हर प्राणी। चैत्र की गंध वाही वायु के साथ हर चित्त उन्मन होता है और विकल हो उठता है अपने अनंत प्रियतम से मिलने को। इसीलिए विरह की पीर कुछ अधिक ही टीस देने लगती है चैत्र मास में। प्रिय अनंत, जिससे बिछड़कर प्राणी इस संसार में भटकता है, उसी की खोज में मन मृगछौना सा कुछ और ही भटकने लगता है। पूरी प्रकृति में मिलन और सौंदर्य की एक आतुरता दिखाई देने लगती है। यह ऋतु माधव की ऋतु है। माधव यानी परब्रह्म पूरी सृष्टि में वसंत बनकर छा जाता है। आनंद बन छलक उठता है प्रकृति में। प्रेम का पाथेय लेकर पुष्प खिलखिला उठते हैं। चंद्रमा की कलाएं अपनी शीतलता और स्निग्धता में ईश्वरीय चिंतन के लिए एक आध्यात्मिक वातावरण का सृजन करने लगती हैं। परब्रह्म की प्रकृति स्वरूपा शक्ति आह्लादित होती है। इसीलिए हम शक्ति की आराधना से इस नवसंवत्सर का आरंभ करते हैं। शक्ति स्त्री रूपा है। वही लक्ष्मी, गौरी, सरस्वती का रूप धारण करती है। दुर्गा, काली, शिवा, धात्री आदि अनेक रूपों में हम अखिल ब्रह्मंड में मातृ तत्व के रूप में व्याप्त इसी एकमात्र शक्ति का आह्वान करते हैं और इस भाव से भरते हैं कि इस धरती पर मां की तरह कोई शक्ति निरंतर हमारा सृजन और पालन कर रही है। हम सब उसकी संतानें हैं, परंतु जब कभी हम अहंकार में उस शक्ति को नकारने का उपक्रम करने लगते हैं या सृष्टि को बाधा पहुंचाते हैं तो वह शक्ति चंडी का रूप धारण कर हमें रोकती है। शक्ति का सकारात्मक उपयोग करने की प्रेरणा देने आता है नवसंवत्सर, ताकि संपूर्ण मानवता के लिए हम कष्टकारी न बनने पाएं। भोग और भौतिकता की चाहत हमें शांत नहीं रहने देती। हमारे वैदिक ऋषि मुनि यह आह्वान करते थे कि धरती पर सभी शांतचित्त हों। मनुष्य मनुष्य का या प्रकृति का शत्रु न बने, इसकी कामना हमारे ऋषियों-मुनियों ने की। हम यह समझें कि मानव कल्याण की बातें समझाने आता है नवसंवत्सर। इसीलिए नवरात्र के रूप में शक्ति के जागरण का महापर्व भी है यह उत्सव। प्रकृति के सौंदर्य और साम्यावस्था में अपनी आध्यात्मिक शक्तियों का जागरण और जीवन के प्रति नवस्फुरण उद्देश्य होता है इस नवसंवत्सर में। आंखें मूंदें रखने से नए सूरज का दर्शन नहीं हो सकता, इसलिए नए संकल्प के साथ नए अरुणोदय को अपनी आंखों में, हृदय में उतारना होता है। मन को भर लेना होता है चिड़ियों की चहचहाहट से। स्वीकार करना होता है सह-अस्तित्व की संकल्पना को। संभवत: इसीलिए यह भारतीय नववर्ष मानवीय मूल्यों से ओतप्रोत है। इसमें हमारे मंत्र द्रष्टा ऋषियों की वैज्ञानिक सोच और दृष्टि अंतर्निहित थी। नवसंवत्सर को वैश्विक मानवीय मूल्यों और सत्य के साक्षात्कार के दृष्टिकोण से समझने का प्रयास करना चाहिए। इसी क्रम में यह भी स्मरण रखना चाहिए कि नवसंवत्सर भारत की कालगणना की समृद्ध परंपरा को भी रेखांकित करता है। कालगणना के आकलन का आधार अत्यंत व्यापक है। यह सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी की गति के आकलन पर आधारित है।

मार्ग-दर्शन

मनुष्य को पतनशील बनाता है अहंकार

एक गांव में कान्हा नाम का बौना युवक रहता था। वह अत्यंत बुद्धिमान और धनुर्धर था। एक दिन उसके मित्र ने उसे राजा से नौकरी मांगने का सुझाव दिया। कान्हा अपना धनुष-बाण लेकर चल पड़ा। रास्ते में लोगों ने उसे सलाह दी कि वह किसी ऐसे आदमी को सहायक बना ले, जो कद में लंबा व शरीर से बलिष्ठ हो। कान्हा को शीघ्र ही पर्वत सिंह नाम का ऐसा आदमी मिल भी गया। उसने कान्हा का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। राज दरबार में पहुंचकर पर्वत सिंह ने अपना परिचय धनुर्धर और कान्हा का परिचय सहायक के रूप में दिया। राजा ने उसे सेना में रख लिया। थोड़े दिनों बाद पर्वत सिंह के मन में अहंकार पैदा हो गया और उसने कान्हा को घर से निकाल दिया। थोड़े दिनों बाद पड़ोसी राजा ने आक्रमण किया, किंतु युद्ध नहीं हुआ। दोनों राजाओं ने अपनी-अपनी ओर से केवल एक-एक वीर को लड़ाने का निश्चय किया और यह तय किया कि जिस पक्ष का वीर पराजित होगा, उसके राज्य पर विजेता का अधिकार हो जाएगा। इस राजा ने पर्वत सिंह को अपनी ओर से नियुक्त किया। अब पर्वत सिंह के होश उड़ गए। उसने कान्हा से उसे युद्ध में जिताने की याचना की, जिसे कान्हा ने मान लिया। युद्ध में हाथी पर आगे पर्वत सिंह और पीछे कान्हा बैठा, किंतु शत्रु राजा द्वारा भेजे गए योद्धा का डीलडौल देखकर पर्वत सिंह घबराकर भाग गया। तब कान्हा ने मोर्चा संभाला और शत्रु योद्धा को हराया। कथा का मर्म यह है कि धन और मान पाकर दूसरों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। गर्व का मद मनुष्य को पतनशील बनाता है। किसी भी दशा में सज्जनता का दामन नहीं छोड़ना चाहिए।

जीने की राह

अपने जीवन को संदेहों से मुक्त बनाए रखें

इस जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें खुद पर भरोसा होना चाहिए। जिसे अपने पर भरोसा नहीं, वह किसी दूसरे पर कैसे विश्वास करेगा? ऐसे व्यक्ति का जीवन संदेहों से बोझिल हो जाएगा। उसका एक पूर्ण, सुसंबद्ध, एकीकृत और स्वस्थ व्यक्तित्व के रूप में विकास नहीं हो पाएगा। इसी वजह से जीवन में ऐसा मार्ग अपनाया जाना चाहिए, जिसमें कोई संदेह न रहे। संदेहों से मुक्त रखने के लिए दिल और दिमाग, मन और मस्तिष्क को साफ और पवित्र रखना आवश्यक है। इस शुद्धता और पवित्रता को प्राप्त करने के लिए आपको अपनी दृष्टि को, वाणी को, संपूर्ण इंद्रियों को अपने नियंत्रण में रखना होगा तथा जीवन में सदैव संयम बरतना होगा। जब आप कोई बुरा काम कर डालते हैं तो उसके पूर्व कुछ न कुछ ऐसा कृत्य अवश्य होता है, जिसमें आपकी आंखों ने कुछ बुरा देखा हो, कुछ बुरे शब्द सुने हों, जिसकी वजह से आपका मन उत्तेजित हो गया हो, या कुछ ऐसा अनुभव किया हो, जिसके कारण आप अपने मन का संतुलन खो बैठे हों। इस प्रकार व्यक्ति जीवन भर उलझनपूर्ण परिस्थितियों में घिरा रहता है। यदि हम इस बात को लेकर सजग रहें कि हम न बुरा देखेंगे, न बुरा सुनेंगे और न बुरा बोलेंगे तो अपने मन और विचारों को, दिल और दिमाग को शुद्ध व पवित्र बना सकते हैं। हमारे मन की क्रिया-प्रतिक्रिया हमारी ज्ञानेंद्रियों के किसी घटना, कार्य या विचार से हुए संपर्क पर निर्भर करती है। इसके फलस्वरूप हमारे विचारों में जो खराबी आती है, वह बेहद खतरनाक होती है।

दैनिक पंचांग

04 अप्रैल 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.24 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	08.04 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	10.02 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.16 बजे से
गुरु	कुंभ में	सिंह	14.32 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कन्या	16.44 बजे से
शनि	मकर में	तुला	18.54 बजे से
राहु	वृष में	वृश्चिक	21.09 ब.से
केतु	वृश्चिक में	धनु	23.25 बजे से
राहुकाल		मकर	01.30 बजे से
7.30 से 9.00		कुंभ	03.17 बजे से
बजे तक		मीन	04.50 बजे से

सोमवार 2022 वर्ष का 94 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** तृतीया 13.56 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 14.28 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 07.42 बजे को समाप्त।
करण गर 13.56 बजे तदनन्तर वणिज 02.47 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 02.7 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 36'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871208
जूलियन दिन 2459673.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रमजान **तारीख** 02
विशेष गौरी पूजा, गणगौर, मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	05.53 से	07.22	बजे तक	चर	05.43 से	07.14	बजे तक
काल	07.22 से	08.50	बजे तक	रोग	07.14 से	08.45	बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19	बजे तक	काल	08.45 से	10.17	बजे तक
रोग	10.19 से	11.48	बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48	बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17	बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19	बजे तक
चर	01.17 से	02.45	बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51	बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14	बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2	बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43	बजे तक	चर	04.22 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 04 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

प्रसंगत: अनोखा फैसला

पुरानी कथा है। चीन में एक विचारक की काफी धूम थी। लोग उससे बेहद प्रभावित थे। राजा ने उसकी तारीफ सुन उसे न्यायाधीश बना दिया। उन्हीं दिनों नगर के सबसे धनवान सेठ के घर में चोरी हो गई। सब जानते थे कि सेठ ने इतनी अकूत संपत्ति बेईमानी व लोगों का शोषण करके इकट्ठा की है। किंतु चोरी तो चोरी थी इसलिए चोर को पकड़ने के लिए अभियान छेड़ा गया। चोर पकड़ा गया। उसने अपनी गलती स्वीकार कर ली। न्यायाधीश ने उसे चोरी के जुर्म में एक साल की सजा सुना दी। चोर को सजा सुनाने के बाद न्यायाधीश ने सेठ की संपत्ति की जांच शुरू करवा दी लेकिन सेठ की दलील थी कि उसने सारी कमाई तिजारत से हासिल की है। उसने किसी का शोषण कर या गलत तरीके से धन अर्जित नहीं किया है। लेकिन न्यायाधीश ने इस बात को नहीं माना। उसने फैसला सुनाते हुए कहा, 'इस संपत्ति का कुछ हिस्सा चुराने वाले चोर को तो एक वर्ष की सजा दी गई है मगर इस संपत्ति के मालिक को दो वर्ष की सजा दी जाती है।' सेठ ने फैसले पर सवाल उठाया तो न्यायाधीश ने कहा, 'चोर ने तो चोरी की बात मान ली। उसके हृदय परिवर्तन की गुंजाइश है। लेकिन तुमने तो झूठ बोलकर सही रास्ते पर आने के सारे रास्ते बंद कर लिए हैं। चोर को सजा जरूर मिलनी चाहिए किंतु जब तक केवल चोरों को सजा मिलती रहेगी और आम आदमी का शोषण करने वाले खुलेआम घूमते रहेंगे तब तक चोरी बंद नहीं होगी। इसलिए तुम्हें सजा सुनाई गई है।'

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित, प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

गर्मी के मौसम में भी मुस्कुाती, स्वस्थ और दमकती त्वचा के लिए इसका विशेष ख्याल रखना भी उतना ही जरूरी है, जितना आप अपने स्वास्थ्य का रखते हैं। जानिए गर्मी में भी खूबसूरत त्वचा के लिए यह आसान टिप्स -

गर्मी में यूं करें त्वचा की देखभाल, जानें 5 टिप्स

1 गर्मी के दिनों में त्वचा तैलीय हो जाती है और इसमें बैक्टीरिया भी आसानी से पनपते हैं जो मुहांसों का कारण बनते हैं। इससे बचने के लिए समय-समय पर ठंडे पानी से चेहरा धोएं या फिर गुलाबजल से चेहरा साफकरें।

2 धूप में निकलने से बचें और अगर निकलना ही पडे तो चेहरे के साथ ही हाथों और अन्य जगह की त्वचा पर पर सनस्क्रीन क्रीम लगाएं और घर लौटने के बाद त्वचा पर बर्फ रगडना न भूलें।

3 इस मौसम में ज्यादा तेल व मसालेदार भोजन से बचें। इससे आपकी त्वचा में तैलीयता बढेगी और चेहरे पर पिंपल्स और मुहांसे होने की संभावना बढ जाएगी। इनकी जगह आप ताजे फल, सब्जियां और जूस का सेवन करें।

4 गर्मी में आने वाले ताजे फलों का प्रयोग त्वचा पर लगाने, मसाज करने या फिर फेस पैक के रूप में कर सकते हैं। ये आपकी त्वचा को ताजगी भी देंगे और त्वचा बेदाग, निखरी भी नजर आएगी।

5 गर्मी के दिनों में चेहरा धोने के बाद तौलिए से पोंछने के बजाए यूंही सूखने दें या फिर हाथों से थपथपाएं। इससे त्वचा में जरूरी नमी बनी रहेगी और त्वचा रिफ्रेश दिखेगी।

गर्मियों में पुरुषों के लिये 7 असरदार फेस पैक

1. दही फेस पैक-अगर चेहरे पर बडे पोर्स हैं तो आपको दही और उसमें थोडा सा नींबू का रस मिला कर चेहरे पर लगाना चाहिये। इससे चेहरे का रंग भी साफहो जाता है। आप चाहें तो दूसरा फेस पैक भी बना सकते हैं, जिसमें दही के साथ संतरे का छोटा टुकडा, 1 चम्मच एलो वेरा जैल मिक्स कर के साफ चेहरे पर 10 मिनट के लिये लगाएं।

2. ओटमील फेस पैक-ओटमील को मिक्सर में पीस कर एक कटोरे में निकालें। फिर उसमें कुछ बूंद उबलता हुआ पानी मिला कर पेस्ट बनाएं। इसे साफ चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें।

3. नींबू का फेस पैक-त्वचा पर अत्यधिक तेल आता है तो आपके लिये ये फेस पैक बहुत ही अच्छा रहेगा। इस पैक को बनाने के लिये 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच नींबू और थोडा सा ऑलिव ऑइल मिलाएं। फिर चेहरा धो कर इसे मास्क को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 20 निट के बाद गीले कपडे से पोछ लें।

4. स्ट्रॉबेरी फेस पैक-स्ट्रॉबेरी में एसिड होता है जो चेहरे से डेड स्किन को साफकर के चेहरे को मुलायम बनाता है। आपको बस कुछ स्ट्रॉबेरी को मैश कर के उसमें 1 चम्मच ऑलिव ऑइल और 1 चम्मच शहद मिला पर चेहरे पर लगाना होगा। इससे चेहरे की सूजन भी कम हो जाती है। जब यह पैक सूख जाए तब चेहरे को धो लें।

5. मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक-मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक ऑयली चेहरे के लिये काफी अच्छा होता है। इस पैक को बनाने के लिये मुल्तानी मिट्टी के साथ एलोवेरा, शहद और अंडा का पीला भाग मिला कर पेस्ट बनाएं। फिर चेहरे को धो कर इसे लगाएं और 10 मिनट के बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें।

6. केले और गुलाब जल का फेस पैक-यह फेस पैक चेहरे से मुहांसो का सफाया करता है और जमी हुई गंदगी निकालता है। इसे बनाने के लिये केले का पेस्ट बना कर उसमें गुलाब जल मिलाएं। आप इसमें ऑलिव ऑइल भी मिक्स कर सकते हैं। इस पैक को सूखने तक लगाएं और फिर चेहरे को पानी से धो लें। 7. बेसन और हल्दी फेस पैक-1 चम्मच बेसन को दूध या गुलाबजल के साथ मिक्स कर के उसमें 2 चुटकी हल्दी पावडर मिक्स करें।

फिर चेहरे पर इसे लगा कर 15 मिनट के बाद इसे धो लें। यह फेस पैक हर तरह की सकिन के लिये अच्छा होता है। बेसन से चेहरा साफहोता है और सन टैनिंग मिटती है, जिससे चेहरा गोरा बनता है।

गर्मियों में बनाना ना भूलें कच्ची केरी की सब्जी

सामग्री-कच्चा आम- 1 कप चॉप किया हुआ,गुड- 1/2 कप,लाल मिर्च- 5-6,राई- 1/2 चम्मच,कडी पत्ती- 8-10,घिसा नारियल- 1/2 कप,हरी धनिया- 4-5,नमक - स्वादअनुसार

विधि - एक कटोरा लें, उसमें पानी भर दें। उसके बाद उसमें कटे हुए कच्चे आम के टुकडे डालें। फिर इसे तब तक उबालें जब तक कि आम गल ना जाए। उसके बाद दूसरा कटोरा लें, उसमें थोडा पानी डाल कर उसके साथ गुड मिक्स कर दें। इसे पेस्ट बनाना है इसलिये इसमें गुड को मसल कर डालें। फिर इस पानी को छान कर एक किनारे रख दें। एक बार जब आम गल जाएं, तब उसमें से बाकी का बचा हुआ पानी छान दें और आम के पीस को मिक्सी जार में डाल दें। फिर उसी के साथ मिक्सी में फ्राई की लाल मिर्च और घिसा नारियल डाल कर पीस कर महीन पेस्ट बनाएं। अब एक पैन लें, उसमें थोडा सा तेल डालें। गरम होने पर उसमें राई और कडी पत्ती डालें। फिर गुड वाला पानी डाल कर इसे उबालें। इसके बाद इसमें आम का पेस्ट डाल कर सौते करें। फिर 1 कप पानी डालें और थोडा सा नमक मिलाएं। ऊपर से कटी हुई हरी धनिया छिडके। इसे राइस या रोटी के साथ सर्व करें।

नारियल तेल क्यूं है सबसे बेस्ट, जानें ब्यूटी के लिये कैसे करें प्रयोग

शुगर स्क्रब-इसे बनाने के लिये 1 चम्मच नारियल तेल को 1 चम्मच

शक्कर के साथ मिक्स करें। इससे चेहरे पर 10 मिनट तक मसाज करना चाहिये। इससे चेहरे पर जमी गंदगी निकल जाएगी और चेहरा चमकदार बन जाएगा।

सॉल्ट स्क्रब-अगर चेहरे पर पिंपल्स हैं तो शक्कर की जगह पर चीनी का प्रयोग करें। इससे पिंपल की वजह से चेहरे पर आई लाल रंग की सूजन भी गायब हो जाएगी।

साबुन भी बनाएं-इसे बनाने के लिये आधा कप नारियल तेल, 1/4 कप बीवैक्स, 1/4 कप शिया बटर के साथ कुछ बूंद बादाम तेल मिक्स करें।

साबुन बनाने की विधि-सबसे पहले नारियल तेल, बीवैक्स और शिया बटर को धीमी आंच पर गरम करें। फिर इस मिश्रण को बादाम तेल के साथ मिक्स करें। उसके बाद इस मिश्रण को साबुनदानी में रख कर सेट होने के लिये रख दें। आप चाहें तो इसे रेफ्रिजिरेटर में भी तुरंत सेट होने के लिये रख सकती हैं।

फटे और रूखे होठों के लिये-नारियल तेल को सोने से पहले होठों पर लगाएं। रातभर में आपके होंठ मुलायम हो जाएंगे।

टूथपेस्ट-आप नारियल तेल को टूथपेस्ट के रूप में भी प्रयोग कर सकती हैं। इसे थोडे से नमक के साथ मिक्स कर के दांत साफकरें। इससे दांतों की कैविटी निकलेगी और दांत चमकदार बनेंगे।

डीयोड्रंट-थोडे से नारियल तेल को कुछ बूंद नींबू के रस, बेकिंग सोडा और कुछ बूंद रोज ऑइल के साथ मिक्स करें। इसे अपने अंडरआर्म पर लगाइये। इससे आप दिनभर तरोताजा रहेंगी और शरीर से बदबू भी नहीं आएगी।

सनस्क्रीन-शुद्ध नारियल तेल को अपने रोजमर्रा के लोशन के साथ मिक्स कर के पूरे चेहरे और शरीर पर लगाइये। इससे आप कडी धूप में काली होने से बच जाएंगी।

शेविंग क्रीम बनाएं-नारियल तेल, बेकिंग सोडा, शहद और कैस्टाइल सोप को एक साथ मिक्स कर के चेहरे, या अंडरआर्म या पैरों पर लगा कर शेव करें। इससे शेविंग भी काफी स्मूथ होगी।

बालों का सफेद होना रोके-नारियल तेल को नींबू के रस के साथ मिक्स कर के बालों पर लगाएं। नियमित रूप से ऐसा करने से बाल जल्दी ही काले हो जाएंगे।

रोज खाएं 1 कप तरबूज और फिर देंखे शरीर पर करिश्माई असर

अस्थमा से करे बचाव-अगर आप हर दिन पर्याप्त पोषण नहीं ले रहे हैं, खासतौर पर विटामिन सी तो अस्थमा काफी बढ सकता है। अगर आप विटामिन सी युक्त भोजन लेंगे

तो आपके अंदर किसी भी पोषण की कमी नहीं होगी।

कैंसर-तरबूज, एंटीऑक्सिडेंट का बहुत अच्छा स्रोत है और यह कैंसर का कारण बनने वाले फ्री रैडिकल्स से मुकाबला करने में लाभकारी है। इसमें लाइकोपीन पाया जाता है, जिसका सेवन प्रोस्टेट कैंसर से बचाता है, ऐसा एक स्टडी में कहा गया था।

ब्लड प्रेशर-तरबूज से हाई ब्लड प्रेशर कम किया जा सकता है। इसके अलावा तरबूज खाने से धमनियां भी अच्छे से काम करती हैं।

सूजन कम करे-तरबूज में कोलीन पाया जाता है लो कि सूजन को दबाता है। यह जरुरी पोषण नींद, मसल मूवमेंट, किसी भी चीज को सीखने और याद रखने में मदद करता है। यह मोटापा भी घटाता है।

त्वचा और बालों के लिये-इसमें विटामिन ए होता है जो सीबम का प्रोडक्शन बढा कर बालों को नमी प्रदान करता है। इसके अलावा इसमें लाइकोपिन पाया जाता है जो हमारी त्वचा में कसाव पैदा करता है।

शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढाए-तरबूज में विटामिन ए और सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। विटामिन सी हमारे शरीर के प्रतिरक्षा तन्त्र को मजबूत बनाता है। शरीर में विटामिन सी होने से आपको कभी फ्लू नहीं होगा साथ ही आपकी सकिन भी स्वस्थ्य रहेगी।

सेक्स लाइफसुधारे-इसमें amino acid citrulline होता है जो प्रजनन अंगों तक खून के फ्लो को ठीक तरह से पहुंचाने का काम करता है। इससे इरेक्टाइल डिसफंक्शन को ठीक करने में मदद मिलती है। साथ ही इसमें यह वियाग्रा जैसा भी प्रभाव डालता है।

हेल्थ प्लस

पैदल चलें हड्डियां रहेंगी मजबूत

इंसान की दिन-प्रतिदिन घटती गतिशीलता की वजह से लोगों की हड्डियां लगातार कमजोर होती जा रही हैं। अमेरिका के मेडिसिन शोधकर्ताओं ने यह शोध किया है, जिसमें कई जगहों से एकत्र किए गए फासिल्स के सैंपल्स के जरिए यूरोप में रहने वाले सैकडों मनुष्यों की हड्डियों की जांच की गई।

शोधकर्ताओं के मुताबिक अब तक कमजोर हड्डियों का कारण खानपान के गलत तरीके को समझा जाता था, लेकिन अध्ययन में यह पाया गया कि इसकी असली वजह खेती के विकास व मानव जाति की कम होती गतिशीलता में छिपी है। जैसे ही खेती का विकास हुआ, मनुष्य की खानाबदोश जीवनशैली पूरी तरह बदल गई और उसने पहली बार अपना स्थाई निवास बनाया। इसके बाद वह अपना ज्यादातर वक्त बैठकर बिताने लगा।

आज लोगों का वजन अपने पूर्वजों से काफी ज्यादा है, लेकिन उनकी हड्डियों का भार काफी हल्का है। यही हल्की हड्डियां आस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों का कारण बनती हैं।

इसलिए शोधकर्ताओं ने कहा कि अपनी हड्डियां मजबूत करने के लिए जहां तक संभव हो व्यक्ति को पैदल चलने की कोशिश करनी चाहिए।

लंच में खाए जाने वाले कौन से फूड बना सकते हैं गैस

1. बीन्स : बीन्स, स्वास्थ्यवधर्क और अच्छी होती हैं लेकिन इसमें ओलिगोसाच्चाराइड्स होते हैं जो एक प्रकार के सुगर मॉलिक्यूल होते हैं जो आसानी से नहीं पचते हैं। अगर बीन्स को सारी रात पानी में भिगो दें और फिर बनाएं तो ये मॉलिक्यूल आसानी से पच जाते हैं अन्यथा गैस बनने लगती है। लंच में बीन्स का सेवन करने से थोडा बचना चाहिए।

2. मटर: बीन्स की तरह मटर में भी अपाच्य ओलिगोसाच्चाराइड्स होते हैं जिनमें पेट में गैस बनाने की क्षमता होती है। उबली हुई मटर से थोडी राहत मिल सकती हैं लेकिन अगर किसी को पेट में अक्सर समस्या बनी रहती है तो मटर का सेवन दोपहर में करने से पहले सोच लें।

3. बदगोभी: बदगोभी, गैस बनाने वाला फूड है। इसे लंच में खाने पर पेट में गैस बनना आम बात है।

4. गेहूं: आपको जानकर ताज्जुब होगा लेकिन गेहूं में ग्लूटेन नामक प्रोटीन होता है जिसकी वजह से पेट में गैस बनती है। कई बार लंच में सादा खाना खाने के बाद भी गैस बनती है तो उसकी वजह गेहूं के आटे से बनी रोटियां भी होती हैं।

5. आलू: आलू हर किसी की पसंद होती है। इसमें स्टार्च होता है जो पेट में गैस बना देता है। इसे लंच में नकारना थोडा मुश्किल पड जाता है लेकिन अगर आपको बहुत ज्यादा गैस बनती है तो आलू का सेवन कतई न करें।

सुपर फूड अलसी : शक्ति का अद्भुत खजाना

क्या आप जानते हैं कि अलसी का सेवन त्वचा पर बढती उम्र के असर को कम करता है। अलसी का सेवन भोजन के पहले या भोजन के साथ करने से पेट भरने का एहसास होकर भूख कम लगती है। इसके रेशे पाचन को सुगम बनाते हैं, इस कारण वजन नियंत्रण करने में अलसी सहायक है। चयापचय की दर को बढाता है एवं यकृत को स्वस्थ रखता है। प्राकृतिक रेचक गुण होने से पेट साफरख कब्ज से मुक्ति दिलाता है।

कैसे लें अलसी : अलसी को धीमी आंच पर हल्का भून लें। फिर मिक्सर में दरदरा पीस कर किसी एयर टाइट डिब्बे में भरकर रख लें।

रोज सुबह-शाम एक-एक चम्मच पावडर पानी के साथ लें। इसे सब्जी या दाल में मिलाकर भी लिया जा सकता है। इसे अधिक मात्रा में पीस कर नहीं रखना चाहिए, क्योंकि यह खराब होने लगती है। इसलिए थोडा-थोडा ही पीस कर रखें। अलसी सेवन के दौरान पानी खूब पीना चाहिए।

इसमें फायबर अधिक होता है, जो पानी ज्यादा मांगता है। एक चम्मच अलसी पावडर को 360 मिलीलीटर पानी में तब तक धीमी आंच पर पकाएं जब तक कि यह पानी आधा न रह जाए। थोडा ठंडा होने पर शहद या शकर मिलाकर सेवन करें। सर्दी, खांसी, जुकाम में यह चाय दिन में दो-तीन बार सेवन की जा सकती है। अस्थमा में भी यह चाय बडी उपयोगी है। अलसी और अस्थमा : अस्थमा वालों के लिए एक और नुस्खा भी है। एक चम्मच अलसी पावडर आधा गिलास पानी में सुबह भिगो दें। शाम को इसे छानकर पी लें। शाम को भिगोकर सुबह सेवन करें। गिलास कांच या चांदी का होना चाहिए।

क्या है अलसी में :अलसी में कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, केरोटिन, थायमिन, राइबोफ्लेविन और नियासिन पाए जाते हैं। यह गनोरिया, नेफ्राइटिस, अस्थमा, सिस्टाइटिस, कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, कब्ज, बवासीर, एक्जिमा के उपचार में उपयोगी है।

जानिए, कच्चे आम के यह 7 बेहतरीन फायदे

गर्मियों में कच्चे और पके आम की भरपूर आवक होती है, और इन दोनों के अपने अलग फायदे हैं। कच्चे आम की चटनी हो या पना, गर्मी के मौसम में स्वाद और सेहत दोनों के लिए बेहद लाभदायक है। जानिए कच्चे आम यानि कैरी के यह 5 बेहतरीन फायदे -

1 **कच्चे** आम का प्रयोग सिर्फभोजन को स्वादिष्ट बनाने के लिए ही नहीं बल्कि स्वस्थ रहने के लिए भी किया जा सकता है। कच्चे आम के सेवन से रक्त संबंधी विकारों से बचा जा सकता है।

2 अगर आपको एसिडिटी, गैस या अपच जैसी समस्या हो रही हैं, तो कच्चे आम का सेवन आपके लिए काफी लाभदायक होगा। यह कब्ज और पेट के सभी विकारों से निपटने में आपकी मदद करेगा।

3 ऊल्टी आना या फिर जी मचलाने की समस्या में कच्चे आम का काले नमक के साथ सेवन करना आपको निजात दिला सकता है। कुछ ही देर में यह आपको सामान्य महसूस कराने में मदद करेगा।

4 कच्चे आम का नियमित सेवन कर न केवल आप अपने बालों को काला बनाए रख सकते हैं, बल्कि बेदाग और दमकती हुई त्वचा आसानी से पा सकते हैं। इससे त्वचा में कसाव भी बना रहता है।

5 शुगर की समस्या होने पर इसका प्रयोग आपके शुगर लेवल को कम करने में बेहद सहायक होगा। इसका प्रयोग कर आप शरीर में आयरन की पूर्ति भी आसानी से कर सकते हैं।

6 इसमें विटामिन सी अच्छी खासी मात्रा में मौजूद है, जो आपकी खूबसूरती का ध्यान तो रखता ही है, रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा करता है। इसक प्रयोग आंखों के लिए भी फायदेमंद है।

7 अगर आपको अत्यधिक पसीना आता है, तो कच्चे आम का पना या फिर किसी भी रूप में इसका प्रयोग आपकी इस समस्या को आसानी से दूर करने में कारगर साबित होगा।

ट्विंकल खन्ना अपनी फिल्म का टाइटल रखना चाहतीं हैं 'नेल फाइल', बोलीं- कम्युनल कॉफिन में आखिरी कील लगाने से बेहतर है

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की पत्नी और राइटर ट्विंकल खन्ना ने हाल ही में अपने कॉलम में फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर कुछ बातें लिखी हैं। उन्होंने बताया कि विवेक अग्निहोत्री की फिल्म की सफलता को देखते हुए कई फिल्ममेकर्स अपनी फिल्मों के टाइटल के लिए शहरों के नाम को रजिस्टर कराने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वो अपनी फिल्म का टाइटल 'नेल फाइल' रखना चाहती हैं।

'द कश्मीर फाइल्स' की सफता के बाद फिल्म टाइटल्स की बाढ़ आ गई है

ट्विंकल ने लिखा, 'एक प्रोड्यूसर के ऑफिस में एक मीटिंग के दौरान, मुझे बताया गया है कि 'द कश्मीर फाइल्स' की सफलता को देखते हुए, ऐसे फिल्म टाइटल्स की बाढ़ आ गई है। चूंकि बड़े शहरों के नाम पहले ही रजिस्टर किए जा चुके हैं, अब गरीब लोग अंधेरी फाइल्स, खार-डंडा फाइल्स और यहां तक कि साउथ बॉम्बे फाइल्स जैसे नाम दर्ज कर रहे हैं। मैं बस सोच रही हूं कि क्या मेरे सहयोगी अभी भी खुद को फिल्म मेकर्स कह सकते हैं, या इस सब फाइलिंग के साथ, वो ओरिजिनल नैशनलिस्ट मनोज कुमार की तरह, सभी क्लर्क बन गए हैं।'

'नेल फाइल' बनना चाहती हैं ट्विंकल

ट्विंकल ने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने अपनी खुद की एक फिल्म का आइडिया अपनी मां डिंपल के साथ शेयर किया था। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे बताया, 'मैंने अपनी मां से कहा कि मैं 'नेल फाइल' नाम की एक फिल्म बनाने जा रही हूं।' मां ने कहा, 'किस बारे में? एक विनाशकारी मैनीक्योर।' इसके जवाब में मैंने कहा, 'हो सकता है, लेकिन कम से कम यह कम्युनल कॉफिन में अंतिम कील लगाने से बेहतर है।'

कश्मीरी पंडितों पर बेस्ड है फिल्म की कहानी

'द कश्मीर फाइल्स' को विवेक अग्निहोत्री ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इस फिल्म की कहानी कश्मीरी पंडितों पर बेस्ड है। फिल्म में विवेक की पत्नी पल्लवी जोशी ने जे एन यू की प्रोफेसर राधिका मेनन का रोल प्ले किया है। फिल्म के मुताबिक राधिका ने ही स्टूडेंट्स को 'आजाद कश्मीर' के लिए लड़ाई करने को मोटिवेट किया था। इस फिल्म में दर्शन कुमार के अलावा अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, प्रकाश बेलावड़ी, भाषा सुंबली, पल्लवी जोशी, पुनीत इस्सर जैसे एक्टर्स भी लीड रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं कई बॉलीवुड सेलेब्स और ने फिल्म की तारीफ की है और सबको इस फिल्म को देखने के लिए कहा है।

कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान रणबीर कपूर को साथ रखकर गिल्टी महसूस करते थे ऋषि कपूर, बेटे से कहते थे-मुंबई वापस जाओ

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर की आखिरी फिल्म 'शर्मा जी नमकीन' ओटीटी प्लैटफॉर्म पर रिलीज हो चुकी है। रिलीज के पहले रणबीर कपूर अपने पिता की फिल्म को प्रमोट करने के दौरान ऋषि कपूर के बारे में कई बातें शेयर की। रणबीर ने बताया कि उनके पिता कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान गिल्टी फील किया करते थे, क्योंकि रणबीर अपने सारे काम छोड़कर ऋषि कपूर के साथ न्यूयॉर्क में थे।

न्यूयॉर्क में बिताए कई महीने

रणबीर से जब बातचीत के दौरान पूछा गया कि, ऋषि कपूर के आखिरी दो सालों में क्या उन्होंने अपने पिता की एसी साइड देखी, जो पहले कभी नहीं देखी थी। इसके जवाब में एक्टर ने कहा, ''मैंने उनकी 'मन साइड देखी है। हमने न्यूयॉर्क में अपार्टमेंट से हॉस्पिटल के चक्कर लगाते हुए कई महीने बिताए। हर दिन, सिर्फ मैं और वह स्ट्रीट्स में बिना कुछ बोले चलते थे। मेरा उनके साथ हॉस्पिटल में बैठे रहना उन्हें हमेशा परेशान करता था।''

ऋषि कपूर खुद को गिल्टी मानते थे

रणबीर ने आगे बताया, ''वह हमेशा खुद को गिल्टी मानते थे, जैसे 'तुम यहाँ क्यों हो? मुंबई वापस जाओ, काम पर जाओ, घर जाओ। जाओ कुछ करो। डिनर के लिए बाहर जाओ, अपनी माँ को डिनर पर ले जाओ।' यह फेज हमने एक साथ फेस किया था''

रणबीर ने आगे कहा कि उनकी बड़ी चाची और उनकी बेटी, छोटी चाची भी उस वक्त न्यूयॉर्क में थीं और पूरे परिवार ने उस कठिन समय को एक साथ फेस किया। रणबीर ने कहा कि वो पल उनके लिए हमेशा खास रहेंगे।

वर्क फ्रंट की बात करें तो आलिया और रणबीर पहली बार अयान मुखर्जी की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, डिंपल कपाड़िया, नागार्जुन अक्किनेनी और मौनी रॉय भी नजर आएंगी। फिल्म 9 सितंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मलाइका की बहन अमृता अरोड़ा बोलीं- वह अब ठीक हैं और ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हो गई हैं। उनका मुंबई पुणे एक्सप्रेस वे के पास शनिवार को एक्सीडेंट हो गया था। जिसके बाद उन्हें नवी मुंबई के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत को लेकर एक्ट्रेस की बहन अमृता अरोड़ा ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मलाइका अब ठीक हैं और ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद अब उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है।

सीटी स्कैन नॉर्मल है

अमृता अरोड़ा ने बताया, मलाइका जब एक फैशन इवेंट से वापस मुंबई लौट रहीं थीं। तभी उनका एक्सीडेंट हुआ, अभी भी डॉक्टर की निगरानी में हैं। उनके सिर पर चोट लगी है। डॉक्टर्स ने सीटी स्कैन भी किया है। हालांकि उसमें ऐसा कुछ निकला नहीं है। मलाइका आज दोपहर तक हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हो जाएंगी।

ट्रैफिक जाम के चलते हुआ हादसा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुड़ी पाड़वा के अवसर पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकताओं का सम्मेलन था। जिसके चलते पुणे से मनसे के कई कार्यकर्ता मुंबई आए थे। इन कार्यकताओं की वजह से मुंबई पुणे एक्सप्रेस वे पर काफी ट्रैफिक हो गया। इस बीच खालापुर टोल नाके के पास अचानक तीन गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इसी में एक स्विफ्ट कार मलाइका अरोड़ा की गाड़ी से भी टकरा गई जिसके चलते मलाइका अरोड़ा जख्मी हो गईं।

मन्नत में विदेशी मेहमानः शाहरुख खान ने सऊदी अरब के मिनिस्टर के साथ दिया पोज, अक्षय कुमार और सलमान खान भी आए नजर

एक्टर शाहरुख खान ने हाल ही में अपने घर मन्नत में सऊदी अरब के 'रेड सी फिल्म फेस्टिवल' के चेयरमैन मोहम्मद अल तुर्की की खातिरदारी की। अल तुर्की ने सोशल मीडिया पर शाहरुख के साथ अपनी एक फोटो शेयर की है। जिसमें दोनों मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं।

शाहरुख ने किया सऊदी गेस्ट्स का वेलकम

शाहरुख फोटो में व्हाइट शर्ट और ब्लू डेनिम पहने नजर आ रहे हैं, वहीं अल तुर्की ने ऑल ब्लैक आउटफिट पहना हुआ है। फोटो शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''मेरे भाई @ iamsrk के साथ भारत की ओर से रमजान की बधाई।'' साथ ही उन्होंने शाहरुख के घर मन्नत की लोकेशन को भी टैग किया है।

कल्चर मिनिस्टर ने शेयर की फोटोज

शाहरुख ने सऊदी अरब के कल्चर मिनिस्टर बदर बिन फरहान अलसौद के साथ भी फोटो क्लिक कराई। मिनिस्टर ने अपने सोशल मीडिया पर शाहरुख, सैफ अली खान, सलमान खान और अक्षय कुमार के साथ फोटो शेयर की। हालांकि, यह क्लियर नहीं है कि वे सब भी मन्नत गए थे या नहीं। बदर बिन फरहान अलसौद ने फोटोज शेयर कर कैप्शन में लिखा, ''फिल्मों की खूबसूरत दुनिया पर बात कर बड़ी खुशी हुई, बॉलीवुड सुपरस्टार @ iamsrk @beingsalmankhan @ akshaykumar #SaifAliKhan के साथ क्रॉस-कल्चरल कोलाब्रेशन।''

'पठान' में नजर आएंगे शाहरुख

बता दें, शाहरुख हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म 'पठान' की शूटिंग खत्म कर स्पेन से इंडिया वापस आए हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में 25 जनवरी 2023 को रिलीज होगी। शाहरुख के अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी होंगे। सैफ अपनी अगली फिल्म 'विक्रम और वेधा' में ऋतिक रोशन के साथ दिखेंगे। एक्टर, प्रभास और कृति सेनन स्टारर 'आदिपुरुष' में भी नजर आएंगे।

अक्षय और सलमान की अपकमिंग फिल्में

अक्षय को हाल ही में 'बच्चन पांडे' में कृति सेनन और अरशद वारसी के साथ देखा गया था। उनके पास इमरान हाशमी को-स्टारिंग फिल्म 'सेल्फी' भी है। वहीं सलमान खान ने हाल ही में अपने अपकमिंग तेलुगु डेब्यू 'गॉडफादर' के लिए एक शूटिंग शेड्यूल पूरा किया, जिसमें चिरंजीवी, नयनतारा और राम चरण भी हैं। वह कटरीना कैफ के साथ 'टाइगर 3' में भी नजर आएंगे।

लॉफिंग ज़ोन

अजय, ''तुमने जो पैसे उधार लिए थे, उन्हें भूल गए क्या ?''

विजय, ''अगर भूल जाता तो तुम्हें देखकर भागता क्यों?''

☺ ☺ ☺

जेलर, ''कैदी कैसे भाग गया। क्या बाहर निकलने के रास्ते बंद नहीं थे?''

चौकीदार, ''साहबजी वह बाहर निकलने वाले रास्ते से नहीं भागा, अंदर आने वाले रास्ते से भागा है।''

☺ ☺ ☺

एक व्यक्ति हवलदार से, ''आप डरकर क्यों भाग रहे है ?''

हवलदार, ''पुलिस स्टेशन में डाकू आ गया है।''

☺ ☺ ☺

चींटी ने हाथी से कहा, ''यार तुम मेरी बनियान ले लो और अपनी बनियान मुझे दे दो।''

हाथी, ''क्यों ?''

चींटी, ''मुझे टैंट लगाना है।''

☺ ☺ ☺

गुरू (छात्रों से), ''मछलियां सतह पर आकर बाहर की ओर क्यों झांकती हैं?''

छात्र, ''यह देखने के लिए कि उन्हें ललचाई नजरों से कौन देख रहा है।''

☺ ☺ ☺

''बेटा तुम्हें कुत्ते की पूंछ नहीं खींचनी चाहिए, मां ने कहा।

मैंने तो कुत्ते की पूंछ पकड़ी है। खींच तो वही रहा है।''

स...स...सनाटेदार

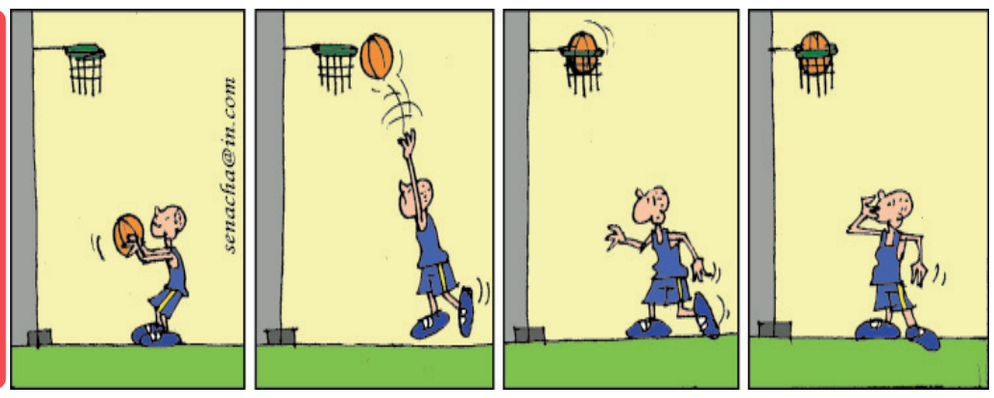

शब्दजाल - 4802

सा	वि	र	कु	बा	र्ड	र	म	ला	नी	क
ज	रा	माँ	ज	इं	डो	ने	ह	क	हे	प
न	स	आ	तु	म	न	इ	जा	न	रा	म
च	त	चाँ	मा	झे	ल	स	ल	प	फे	ह
ले	म	बा	द	त	स	उ	ड़	ख	री	म
स	जे	फ़	र	नी	द	ला	म	ल	ड़	सा
सु	मा	दे	ना	व	बा	स	म	पी	ख	थ
रा	दे	श	बा	र	प	र	थ	ड़	भ	सा
ल	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	मा	चि	स	म

शब्दजाल में तब्बू की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

जाल, हेरा फेरी, बार्डर, विरासत, हम साथ साथ है, माचिस, साजन चले ससुराल, फ़ना, माँ तुझे सलाम, चाँदनी बार.

शब्दजाल - 4801 का हल

अ	श	मु	रा	ज	त	हो	प	न	प	क्क
ज	क्रि	ब	ना	द	म	जा	जि	स्म	र	ह
न	के	र	हे	नि	ऐ	ला	न	व	टि	म
बी	ट	सा	न	शा	वा	त	क	ले	ज	को
चो	दा	त	प	ने	तो	हो	बा	गो	ब	दि
ब	र	त	अ	ग	स	ए	व	रु	वॉ	वा
द	प	म	न	प	व	ह	अ	गो	प्ला	ना
क	र	क	चा	क	ह	भा	र	चो	आ	क
र	व	त	म	ए	भी	र	क	अ	न	र
फु	ट	पा	त	र	शो	ना	ण	र	ह	ग
मुं	ब	ई	न	आ	प	रु	क	प	स्त	ये

मंगल सेंचा, बेंगलोर.

सूडोकु नवताल- 4802

कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल -4801 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

काकुरो पहेली - 4802

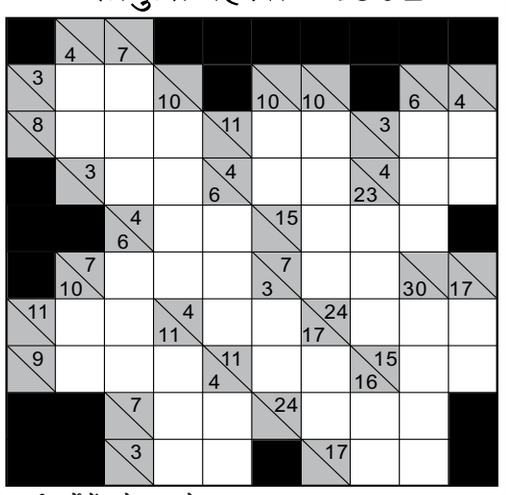

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

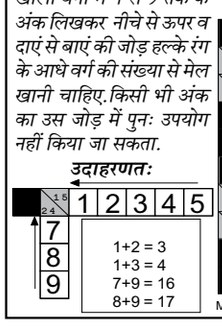

काकुरो - 4801 का हल

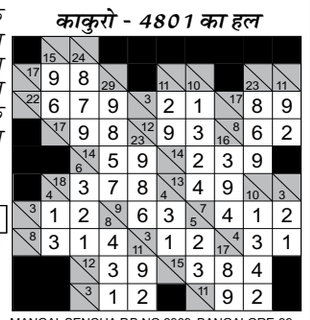

MANGAL SENCHA,P.B.NO.3909, BANGALORE-39

फिल्म वर्ग पहेली- 4802

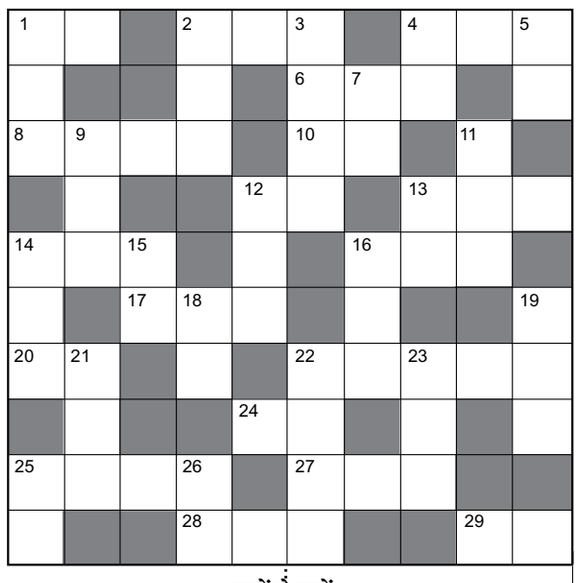

ऊपर से नीचेः-

1. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-3
2. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-3
3. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-4
4. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-2
5. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-2
7. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-2
9. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-3
11. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-3
12. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-3
13. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-2
14. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-3
15. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-2
16. राज बब्बर, रेखा की 'सधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-3
18. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-2
19. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-3
21. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-3
22. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-4
23. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-3
25. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-2
26. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-2

बायें से दायेंः-

1. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-2
2. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
4. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-3
6. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-3
8. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-2,2
10. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-2
12. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-2
13. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-3
14. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-3
16. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-3
17. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-3
20. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-2
22. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-5
24. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-2
25. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-4
27. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-3
28. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-3
29. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 4801 का हल

ध	ड़	क	न		को		सें	स	र
र्मा		र्ज		मो	ह	रा		द	
	कं		आ		रा	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न			ली		न
	नी		की		ओ	म		हि	
चे		ता	क	त		म	हा	रा	जा
त	ब्बू		स		दा	ता		स	
ना		प्रे	म	रो	ग		सौ	त	न
	द	म		श		स	दा		ग
म	र्द		जा	न	व	र		हे	मा

■ मंगल सैंचा, बेंगलोर

अष्टयोग- 4802

	4		7	2		3
5	33		32		27	7
	3		5		1	2
3	35	2	37	7	32	
	4			3		1
2	32	4	36		30	5
1			7			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 4801 का हल

7	5	1	3	6	4	2
1	33	6	32	1	28	5
2	4	7	5	3	6	1
6	30	2	37	4	34	7
5	1	3	6	7	2	4
3	26	4	38	5	36	6
4	1	5	6	2	7	3

शब्द पहेली - 4802

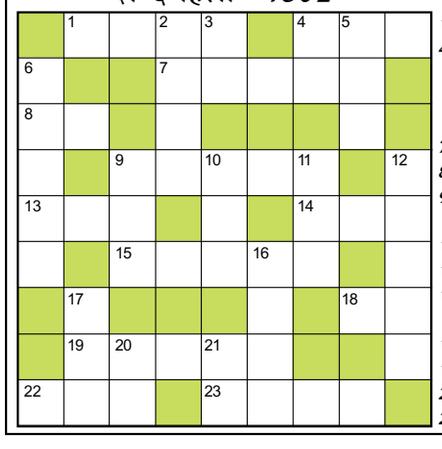

बाएँ से दाएँ

1. एक प्रसिद्ध कपड़ा-4
4. वह श्मशान घाट जहाँ मृत व्यक्तियों के शरीर कौओं, गिद्धों आदि के खाने के लिए यों ही फेंक दिये जाते है-3
7. हड़बड़ी मचाना-5
8. समय-2
9. जहाँ बिना माँ-बाप के बच्चे रखे जाते हैं-5
13. भाजपा का चुनाव चिन्ह-3
14. नाविक, कर्णधार-3
15. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की एक चर्चित फिल्म-5
18. नर का उलटा-2
19. तर्क-वितर्क-2,3
22. मल रहित, स्वच्छ-3
23. पूर्णतया-4

ऊपर से नीचे

2. किसी चीज को लेने या न देने का हठ पकड़ लेना-4
3. नीचे लटकने वाले सिर के लंबें बालों का एक गुच्छा-2
4. गेंहूँ आदि का चूर्ण-2
5. राजी करना-3
6. दृष्टिपात, निरीक्षण-5
9. जो देखा न जा सके, अदृश्य-3
10. अवरूद्ध करना-3
11. जुड़वा, दोहरा-3
12. पहरा देने वाला-5
16. गोतम बुद्ध की पत्नी-4
17. जनता(उर्दू-3)
20. एक विचार के या एक साथ कार्य करने वाले व्यक्तियों का समुह, गुट-2
21. स्थान, निवास, एक दिन की यात्रा-2

शब्द पहेली -4801 का हल

	मा	लि	क		म	ट	र	
ज	न		न		हि		मा	र
न			क	रा	मा	त		खे
ता	री	फ		खी		र	सू	ल
		त	र्ज		पा	स		
ज	ने	वा		बा		ना	ति	न
ग			भ	ज	न			वा
ह	रि		रे		मा		आ	ब
	हा	द	सा		ज	वा	न	

■ मंगल सैंचा, बेंगलोर